महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 265 | उज्जैन, शनिवार 07 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

मनुष्य को हमेशा एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि अगर आप किसी के सुख की वजह नहीं बन सके तो फिर उसके दुःख की वजह भी ना बने

नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति से बड़नगर के समग्र विकास के खुलेंगे द्वार - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की व्यायाम शालाओं को प्रोत्साहन स्वरूप राशि देने की घोषणा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नई ऊंचाइयां को छू रहा है। देश में मध्यप्रदेश का विशेष महत्व है। विकास के इस कारवां को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार समाज के हर वर्ग और प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उज्जैन जिले का बड़नगर भी विकास में अग्रणी रहेगा। बड़नगर अब इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन एरिया का भाग बनेगा। बड़नगर पर बाबा महाकाल सहित चंबल, शिप्रा और गंभीर नदियों का भी आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन किया है। टेक्सटाइल सेक्टर के इस मेगा इंडस्ट्रियल पार्क का लाभ भी बड़नगरवासियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़नगर क्षेत्र में संचालित गौशालाओं को नरवाई प्रबंधन के लिए मशीनें लेने में सहायता के उद्देश्य से स्वेच्छानुदान से अंश राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे नरवाई के निराकरण के साथ ही गौशालाओं को पर्याप्त भूसा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़नगर क्षेत्र के व्यायाम शालाओं को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक लाख रूपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग की स्वीकृति प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचे बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बड़नगरवासियों ने साफा और गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से उज्जैन और बड़नगर अब 3 प्रमुख मार्गों के माध्यम से रतलाम से जुड़ गया है। तीसरा नया 2 लेन रास्ता गंभीर डैम के पास से नागदा होकर निकलने वाला है। लगभग 150 करोड़ रूपए का नायीखेड़ी-नागदा-रतलाम मार्ग क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सौगात है। इससे रतलाम की दूरी 40 किलोमीटर कम हो जाएगी। नई सड़क से सिंहस्थ ~ 2028 के आयोजन में भी सुविधा होगी। उज्जैन में विमानतल भी बनाया जा रहा है, इसका लाभ भी बड़नगर को मिलेगा। आगामी वर्षों में रतलाम सहित राजस्थान और गुजरात से भी बड़नगर का संपर्क सुगम और सशक्त होगा। सड़कें विकास का आधार हैं, इन सड़कों से बड़नगर सहित सम्पूर्ण क्षेत्र के विकास के द्वार खुलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सिंहस्थ ~ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रस्तावित मार्ग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वर्तमान में रतलाम से उज्जैन आने वाले श्रद्धालु मुख्यत~ बदनावर-बड़नगर मार्ग से आवागमन करते हैं, जिसकी कुल लंबाई लगभग 115 कि.मी. है। प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग की कुल लंबाई लगभग 74 कि.मी. है, जो वर्तमान प्रचलित मार्ग की तुलना में लगभग 40 कि.मी. कम है। इस मार्ग के विकसित होने से यात्रा की दूरी एवं समय दोनों में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव भी कम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें मित्र की सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी हमारे लिए भगवान श्री हनुमान की तरह हैं, जिन्हें केवल जनभागीदारी की शक्ति का भान कराना होता है। सरकार के कार्य अपने आप होते चले जाते हैं। अभिनंदन समारोह में बड़नगर विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, श्री अंतर सिंह देवड़ा, श्री उमराव सिंह, श्री विजय चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

भारत की जिम्मेदारी है किउ हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत डुबोए जाने के बाद रक्षा मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली/ जीएनएस। हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत डुबोए जाने के एक दिन भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा है कि बदलती भू-राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर दुनिया के शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं और भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास और क्षमता के साथ नेतृत्व प्रदान करे। राजनाथ सिंह ने कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम बेहद असामान्य हैं और क्षेत्र की स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, वह बेहद असामान्य है। इस समय इस पर कोई ठोस टिप्पणी करना कठिन है कि पश्चिम एशिया में परिस्थितियां आगे किस दिशा में जाएंगी। रक्षा मंत्री ने आगे कहा, अगर हम होर्मुज जलडमरूमध्य या फारस की खाड़ी के पूरे क्षेत्र को देखें तो यह दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जब इस क्षेत्र में अशांति या व्यवधान होता है तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। उन्होंने कहा, आज हम केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर पड़ता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मौजूदा स्थिति ने महासागरों के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है। उन्होंने कहा, बदलती वैश्विक भू-राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर दुनिया के शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं। ऐसे समय में एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास, क्षमता और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व प्रदान करे।

ईरान-इजरायल-अमेरिका पर सवाल; फिनलैंड के राष्ट्रपति बोले- तोड़ा अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के बीच फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा कि ईरान और इजरायल-अमेरिका दोनों ही पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर काम किया है। इंडिया टुडे नेटवर्क से बात करते हुए स्टब ने यह भी कहा कि इजरायल-अमेरिका के हमलों के जवाब में खाड़ी देशों पर हमला करके ईरान ने रणनीतिक गलती की है, क्योंकि अब खाड़ी देश एकजुट होकर देखेंगे कि वे ईरान के साथ क्या कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किये गए सैन्य हमलों के बाद शुरू हुआ जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई। इसके बाद, ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और सऊदी अरब सहित कई खाड़ी देशों में इजराइली और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार हमलों को अंजाम दिया है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों में, दोनों पक्षों के हमलों और जवाबी हमलों के साथ संघर्ष काफी बढ़ गया है। स्टब से पूछा गया कि वह ईरान पर किये गए हमले को किस तरह से देखते हैं। उन्होंने कहा कि यह कहना मुश्किल है। मैं फिनलैंड से आता हूं, जिसकी रूस के साथ 1,340 किलोमीटर लंबी सीमा लगी हुई है। इसलिए, सुरक्षा के दृष्टिकोण से मेरी मुख्य चिंता यूक्रेन में मौजूदा स्थिति है। स्टब ने कहा कि मैं खुद को विशेषज्ञ तो नहीं कह सकता। लेकिन, अगर मैं विशेषज्ञों की बात सुनूं, तो इस हमले के कारणों के बारे में आमतौर पर चार तर्क दिए जाते हैं- पहला परमाणु हथियार, दूसरा मिसाइलें, तीसरा हमास, हूती और हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के माध्यम से हमले, और चौथा सत्ता परिवर्तन। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष का अंत कैसे होगा, मुझे नहीं लगता कि कोई जानता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का हमेशा समर्थन करने वाले व्यक्ति के रूप में, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर जाकर काम किया। आमतौर पर इस तरह के हमलों के मामले में दो में से एक तरीका अपनाया जाता है।

मुंबई में वरिष्ठ नागरिक से 2.25 करोड़ की साइबर ठगी, गुजरात से आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। साइबर फ्रॉड के एक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में गुजरात के एक व्यक्ति को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ नागरिक से आतंक से जुड़ी फर्जी जांच में गिरफ्तारी का डर दिखाकर 2.25 करोड़ रुपये ठग लिए गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपित किशन भावेशभाई मकवाना पर साइबर जालसाजों के लिए बैंक खाते खोलने का आरोप है, ताकि वे पीड़ितों से चुराए धन उसमें जमा कर सकें।

अधिकारी ने बताया कि गोरेगांव के 77 वर्षीय व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपित को पकड़ा गया।

आरोप लगाया गया था कि पिछले साल नवंबर में साइबर जालसाजों ने उनसे संपर्क किया और उन पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के लिए बैंक खाता खोलने और उसके माध्यम से 70 लाख रुपये कमीशन प्राप्त करने का झूठा आरोप लगाया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस मुख्यालय का वरिष्ठ अधिकारी आकाश शर्मा बताया और शिकायतकर्ता को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को सूचित किया गया था कि उसके आधार कार्ड का उपयोग जम्मू और कश्मीर में एक बैंक खाता खोलने के लिए किया गया था।

अमेरिकी खरीदार से सीधे संपर्क कर सकेंगे MSME निर्यातक, डिजिटल पोर्टल पर 10 मार्च से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली/ जीएनएस। अब छोटे निर्यातक भी सीधे तौर पर अमेरिका के खरीदार से संपर्क कर उन्हें अपना सामान बेच सकेंगे। इस काम के लिए न्यूयार्क स्थित भारतीय वाणिज्यिक दूतावास अमेरिकी सरकार के सहयोग से एक डिजिटल पोर्टल बना रहा है।

इस पोर्टल पर भारत के एमएसएमई निर्यातक व अमेरिका के आयातक होंगे और उनकी पूरी जानकारी उस पोर्टल पर होगी। वस्तु के साथ सेवा सेक्टर के निर्यातक-आयातक भी इस पोर्टल पर खुद को पंजीकृत कर व्यापार कर सकेंगे।

अमेरिका स्थित भारतीय वाणिज्यिक दूतावास ने एक्स पर इस जानकारी को साझा करते हुए बताया कि आगामी 10 मार्च से निर्यातक व आयातक अपना पंजीयन करा सकेंगे। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौता हो सकता है और इसे देखते हुए यह कदम काफी अहम माना जा रहा है।

दूतावास के मुताबिक, इस पोर्टल पर वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के तहत देश के हर जिले में तैयार हो रहे उत्पाद की भी नुमाइश की जाएगी। ताकि अमेरिका में उन वस्तुओं के खरीदार तैयार किए जा सके और भारत के छोटे-छोटे स्थानीय निर्माता निर्यात कर सके।

मार्च अंत तक शुरू होने वाले इस पोर्टल पर भारतीय निर्यातक वर्चुअल तरीके से अपने उत्पाद की प्रदर्शनी लगा सकेंगे।

जाल में फंसी बेटियों की मदद करें, गुजरात के उपमुख्यमंत्री की महिलाओं से अपील

नई दिल्ली/ जीएनएस। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने लव-जिहाद को लेकर महिलाओं से अपील की कि वे उन जाल में फंसी बेटियों की मदद करें, जो नकली पहचान वाले पुरुषों का शिकार बन जाती हैं। उपमुख्यमंत्री ने ऐसे घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार की दृढ़ता को उजागर करते हुए कहा कि पुलिस कई जिलों में कई ऐसी महिलाओं को बचाने में सफल रही है।

यहां रामेश्वर महादेव मंदिर के कलश यात्रा कार्यक्रम में शुक्रवार को सांघवी ने कहा कि गुजरात में भाजपा सरकार ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। लव जिहाद में हिंदू महिलाओं के शिकार होने के भी मामले सामने आए हैं, जहां मुस्लिम पुरुष अपनी पहचान छिपाने के लिए नकली पहचान अपनाते हैं। उन्होंने कहा, यदि हमारी बेटियां निर्दोष रूप से शिकार बनती हैं, तो आप महिलाओं को लक्ष्मीबाई (वीरता के लिए प्रसिद्ध झांसी की रानी) की तरह आगे आना चाहिए। फंसी हुई बेटी को बचाने का संकल्प लें।

सुखोई-30 प्लेन क्रैशः शहीद हुए दो पायलेट में से एक ने ऑपरेशन सिंदूर में लिया था हिस्सा

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में गुरूवार को दुर्घटनाग्रस्त सुखोई एम-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में सवार वायुसेना के दोनों पायलट मारे गए।

भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को इस जेट क्रैश में दोनों पायलटों की मृत्यु होने की पुष्टि की। बताया जाता है कि दुघर्टना में मौत के शिकार हुए एक पालयट ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में हिस्सा लिया था।

सुखोई विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की पड़ताल के लिए वायुसेना ने इसकी जांच शुरू कर दी है। वायुसेना ने शुक्रवार को जारी कर दोनों पायलटों की पुष्टि करते हुए कहा कि स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर को सुखोई-30 के क्रैश में जानलेवा चोटें आईं।

भारतीय वायुसेना गहरी संवेदना व्यक्त की - भारतीय वायुसेना के सभी कर्मी ने इस पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। बताया जाता है कि फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश आपेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना के मिशन में हिस्सा लिया था। मालूम हो कि वायुसेना का यह सुखोई विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था और जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरने के तत्काल बाद इसका रडार संपर्क टूट गया।

सुखोई-3 वायुसेना के फ्रंटलाइन बेड़े का अहम हिस्सा- वायुसेना के अनुसार गुरूवार देर शाम 7.42 पर उसके साथ आखिरी बार संपर्क हुआ था। रूस के सहयोग से निर्मित सुखोई-30 वायुसेना के फ्रंटलाइन बेड़े का अहम हिस्सा है और हाल के वर्षों में दुर्घटना का शिकार होने वाला पांचवा मामला है।

रूसी तेल खरीद सकता है भारत, मना करने वाले अमेरिका ने ही दी छूट

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईरान से जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की छूट दे दी है। अमेरिका इसकी वजह वैश्विक बाजार में तेल का प्रवाह बनाए रखना बता रहा है। खास बात है कि अमेरिका की तरफ से ही भारत पर रूसी तेल की खरीद बंद करने का दबाव बनाया गया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है, जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे होने की खबरें सामने आ रहीं हैं।

गुरुवार को रॉयटर्स से बातचीत में दो वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने 30 दिनों की अस्थायी छूट देने का फैसला किया है। इस छूट का मकसद समुद्र में फंसे हुए रूसी तेल की भारत को बिक्री जारी रखने की अनुमति देना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका सरकार में मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस बात की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद वैश्विक बाजार में तेल की मौजूदगी बनाए रखना है। उन्होंने कहा, ग्लोबल मार्केट में तेल का बहाव बनाए रखनेके लिए अमेरिका भारतीय रिफाइनर्स को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की छूट दे रहा है।

बेसेंट का कहना है कि अस्थायी छूट सिर्फ उन कार्गो पर होगी, जो पहले ही समुद्र में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि इससे रूस को खास आर्थिक लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा, यह शॉर्ट टर्म उपाय रूसी सरकार को आर्थिक लाभ नहीं पहुंचाएगा, क्योंकि यह सिर्फ उन लेनदेन पर ही लागू होगा, जो पहले ही समुद्र में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका भारत की अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ मिलकर काम करेगा। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित संकरे जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक तेल और एलएनजी (द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलडमरूमध्य के जरिये ले जाया जाता है।

भारत कच्चे तेल की अपनी 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की लगभग 50 प्रतिशत आवश्यकता की पूर्ति आयात से करता है। ज्यादातर आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होती है।

रायसीना डायलॉग में लैंडौ ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत वैकल्पिक स्रोतों के बारे में सोच रहा है। मुझे अमेरिका से बेहतर कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं दिखता, हम भारत के साथ सहयोग करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम आपके साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि आपकी अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी हों। लैंडौ ने भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते का भी जिक्र किया और कहा कि यह अब लगभग अंतिम चरण में है।

2027 में फिर गठबंधन करेगी सपा और कांग्रेस, अखिलेश कर रहे मंथन

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा चुनाव में मजबूत प्रत्याशी उतारकर सटीक जातिगत समीकरण साधने में सफल रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव मिशन-2027 की तैयारी भी उसी तर्ज पर कर रहे हैं। सपा ने न सिर्फ अपनी पार्टी के मजबूत दावेदारों की तलाश शुरू की है, बल्कि गठबंधन सहयोगी कांग्रेस के साथ मिलकर भी इस रणनीति पर काम आगे बढ़ा दिया है।

कांग्रेस ने अपनी ओर से भी अपने नेटवर्क से यह रिपोर्ट तैयार कर सपा के साथ साझा की है कि उत्तर प्रदेश के किस विधानसभा क्षेत्र में किस जाति का प्रभाव अधिक है और उस जाति-वर्ग से कांग्रेस के कोटे से कौन-कौन मजबूत दावेदार हो सकते हैं।

सपा-कांग्रेस बना रही ब्लूप्रिंट - विपक्षी गठबंधन जातिगत समीकरण के इसी ब्लूप्रिंट के आधार पर अपनी चुनावी बिसात बिछाने की तैयारी में है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस, दोनों ही दलों की ओर से कई बार स्पष्ट किया जा चुका है कि लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही आगामी विधानसभा चुनाव में भी उनका गठबंधन जारी रहेगा। खास तौर पर दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए इस गठबंधन को बहुत आवश्यक मान रहा है।

दोनों दल इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में वह मिलकर भाजपा को पीछे धकेलने में कामयाब रहे। न सिर्फ यह विपक्षी दल, बल्कि राजनीतिक जानकार भी मानते हैं कि पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) का नारा बुलंद करते हुए जिस तरह से अखिलेश यादव ने लोकसभा सीट के हिसाब से प्रत्याशियों के माध्यम से जातिगत समीकरण साधे, उसने भाजपा की मुट्ठी से 29 सीटें छीन लीं और वह सपा की 37 के मुकाबले मात्र 33 पर सिमट गई।

वहीं, सपा के सहारे कांग्रेस को भी बढ़त मिली और उसकी सीटें एक से बढ़कर छह हो गईं। इस परिणाम से सपा-कांग्रेस जहां उत्साहित हैं, वहीं बिहार चुनाव परिणामों से सतर्क भी हैं।

रंगपंचमी की गेर को लेकर इंदौर में विशेष यातायात प्लान, 8 मार्च सुबह 6 बजे से कई मार्गों पर प्रतिबंध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी के अवसर पर इंदौर शहर में निकलने वाली पारंपरिक गेर को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। इस वर्ष रंगपंचमी का पर्व 8 मार्च को मनाया जाएगा और शहर के ऐतिहासिक राजवाड़ा क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में गेर का आयोजन होगा। गेर के दौरान इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए गए हैं।

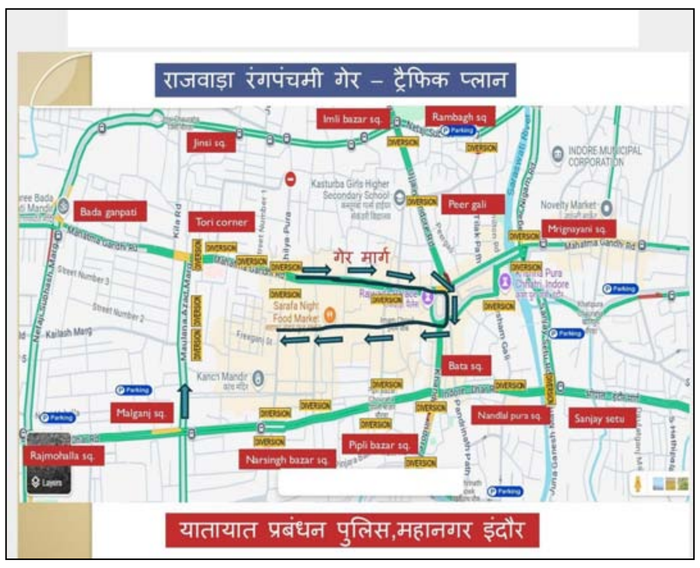

यातायात पुलिस के अनुसार 8 मार्च को सुबह 6 बजे से गेर मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश और पार्किंग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। गेर मार्ग पर केवल गेर में शामिल वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। हैमिल्टन रोड, फ्रूट मार्केट से राजवाड़ा की ओर, संजय सेतु से मृगनयनी और नंदलालपुरा की ओर, इमली बाजार से राजवाड़ा, बड़वाली चौकी से गोराकुंड, यशवंत रोड चौराहा और आड़ा बाजार से राजवाड़ा की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा रामलक्ष्मण बाजार से पीपली बाजार, नरसिंह बाजार से शीतला माता बाजार, मालगंज चौराहा से लोहार पट्टी, इतवारिया चौराहा से कांच मंदिर और जवाहर मार्ग से सराफा थाना क्षेत्र की ओर भी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

गेर मार्ग में सिटी बसों और अन्य लोडिंग वाहनों के प्रवेश पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सिटी बसें और अन्य वाहन मृगनयनी, सुभाष मार्ग, गंगवाल बस स्टैंड, महू नाका, पलसीकर चौराहा, टावर चौराहा और भंवरकुआ जैसे मार्गों से आवागमन कर सकेंगे। भीड़ की स्थिति को देखते हुए यह प्रतिबंध रीगल चौराहा, पटेल प्रतिमा, कलेक्ट्रेट, महू नाका, शिवानी होटल तिराहा और वायरलेस चौराहा से भी लागू किया जा सकता है।

चार पहिया वाहनों के लिए भी कई मार्गों पर विशेष प्रतिबंध लगाया गया है। संजय सेतु से राजमोहल्ला, नगर निगम चौराहा से बड़ा गणपति, हरसिद्धि से यशवंत रोड और नया पीठा से नरसिंह बाजार की ओर चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

यातायात पुलिस ने कई स्थानों पर डायवर्जन व्यवस्था भी लागू की है। मृगनयनी चौराहा से कलेक्ट्रेट जाने वाले वाहन चालक राजवाड़ा की ओर न जाकर संजय सेतु, चंद्रभागा, थाना पंढरीनाथ और जेएमवी मार्ग से कलेक्ट्रेट पहुंच सकेंगे। इसी तरह हरसिद्धि मंदिर से मच्छी बाजार होकर जवाहर मार्ग जाने वाले वाहन कड़ाव घाट, दरगाह चौराहा, बियाबानी चौराहा और गंगवाल बस स्टैंड मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। बड़ा गणपति से राजवाड़ा जाने वाले वाहनों को एमजी रोड से प्रवेश नहीं दिया जाएगा और उन्हें वायरलेस तिराहा, किला मैदान, महेश गार्ड और मरीमाता मार्ग से जाना होगा।

गेर में शामिल होने वाले लोगों के लिए वाहन पार्किंग की भी विशेष व्यवस्था की गई है। संजय सेतु रिवर साइड पार्किंग, पुराना प्रेम सुख टॉकीज मल्टीलेवल पार्किंग, मच्छी बाजार कड़ाव घाट पार्किंग, जिंसी हाट मैदान, मल्हार आश्रम रामबाग, हरसिद्धि मंदिर परिसर, खालसा स्टेडियम और मालगंज सब्जी मंडी में वाहनों की पार्किंग की जा सकेगी।

यह यातायात व्यवस्था 8 मार्च की सुबह 6 बजे से गेर और फाग यात्रा समाप्त होने तक लागू रहेगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रकार के आपातकालीन वाहनों को प्रवेश की अनुमति रहेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित डायवर्जन मार्गों का उपयोग करें, यातायात पुलिस के निर्देशों का पालन करें और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

बड़ा गणपति क्षेत्र में यूटिलिटी शिफ्टिंग को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ली समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण में शुक्रवार को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री Kailash Vijayvargiya ने एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की। बैठक में शहर के विकास कार्यों और विशेष रूप से बड़ा गणपति क्षेत्र में चल रही यूटिलिटी शिफ्टिंग को लेकर विभागों के बीच समन्वय पर चर्चा की गई। बैठक में Indore Development Authority, Indore Municipal Corporation तथा मेट्रो परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर Kshitij Singhal, प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बड़ा गणपति क्षेत्र में यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाने और शहर की यातायात एवं अधोसंरचना व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी विभागों को मिलकर समयबद्ध तरीके से कार्य करना होगा।

भाजपा वक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला 10 मार्च को इंदौर में, कई संभागों के कार्यकर्ता होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंडल स्तर पर आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण वर्गों के अंतर्गत वक्ताओं की कार्यशाला 10 मार्च को इंदौर में आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला आगामी 11 मार्च से 15 अप्रैल तक विभिन्न मंडलों में होने वाले प्रशिक्षण वर्गों की तैयारी के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, जिसमें कई संभागों के कार्यकर्ता भाग लेंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, मुकेश कुकरेजा और कैलाश पिपले ने बताया कि यह कार्यशाला सत्य साईं चौराहा स्थित गुजराती इनोवेटिव कॉलेज, स्कीम नंबर 54 में आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में इंदौर, निमाड़, उज्जैन और मंदसौर संभाग के साथ-साथ गुना और अशोकनगर जिले के अपेक्षित कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। कार्यशाला की तैयारियों को लेकर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला सहित पार्टी के कई पदाधिकारियों ने वर्ग स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, पंकज संघवी, हरप्रीत सिंह बक्शी, पार्षद बालमुकुंद सोनी, भारत पारख, नेहा शर्मा, सचिन बंसल, वरुण पाल, दीपांश खंडेलवाल, हेमराज वाडिया तथा मंडल अध्यक्ष गुड्डू कुमाऊँ सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर चर्चा की और कार्यशाला को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

गेहूं पर 40 बोनस और पंजीयन की तारीख बढ़ी, सीएम मोहन यादव का किसानों को बड़ा तोहफा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को इंदौर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों के लिए गेहूं खरीदी को लेकर बड़ी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने गेहूं पर ?40 प्रति क्विंटल बोनस देने का निर्णय लिया है। केंद्र द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर यह बोनस जोड़ा जाएगा, जिससे अब किसानों से गेहूं की खरीदी 2625 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने किसानों को राहत देते हुए गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तारीख भी बढ़ा दी है। पहले पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 मार्च कर दिया गया है। इससे उन किसानों को भी मौका मिलेगा जो किसी कारणवश अभी तक पंजीयन नहीं करा पाए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि किसानों को खेती के लिए बिजली रात में देने की व्यवस्था को बदलकर अब दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है, ताकि किसानों को खेती में सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री की इन किसान हितैषी घोषणाओं के लिए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार लगातार किसानों के हित में निर्णय ले रही है।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाई, साइबर फ्रॉड पीड़ितों को 1.28 करोड़ रुपये वापस दिलाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच इंदौर ने वर्ष 2026 में ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों ने अब तक साइबर ठगी के शिकार लोगों को कुल 1 करोड़ 28 लाख 41 हजार 775 रुपये की राशि वापस दिलाई है। पुलिस के अनुसार इस वर्ष फरवरी माह में क्राइम ब्रांच को करीब 2000 साइबर फ्रॉड से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से कई मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ितों की रकम सुरक्षित रूप से वापस कराई गई। क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई के दौरान हजारों फर्जी बैंक खातों को फ्रीज कराया है। इसके साथ ही 150 से अधिक हैक किए गए सोशल मीडिया अकाउंट जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम को रिकवर कराया गया है। वहीं आवेदकों के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर बनाए गए 180 से अधिक फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट भी ब्लॉक कराए गए हैं। राशि वापसी के मासिक आंकड़ों की बात करें तो जनवरी 2026 में 36 लाख 46 हजार 49 रुपये और फरवरी 2026 में 91 लाख 95 हजार 726 रुपये की राशि पीड़ितों को वापस कराई गई है। क्राइम ब्रांच के अनुसार इस वर्ष जिन साइबर ठगी के मामलों की सबसे ज्यादा शिकायतें सामने आईं, उनमें ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड जैसे टास्क, ट्रेडिंग और गेमिंग के नाम पर ठगी, बैंक अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट, रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम और क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर धोखाधड़ी, तथा डेटिंग और मैट्रिमोनियल साइट्स के माध्यम से की जाने वाली ऑनलाइन ठगी शामिल हैं। पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को साइबर अपराध से बचाव के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने आमजन से अपील की है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए (चैटबॉट) का उपयोग कर साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

स्वच्छता नवाचार की दिशा में 'रंग दे बैकलेन' कार्यक्रम आज, जनभागीदारी से संवरेंगी शहर की 21 बैकलेन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी शहर इंदौर में नगर निगम द्वारा लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शहर की बैकलेन को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श बनाने के उद्देश्य से रंग दे बैकलेन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन नागरिकों और रहवासी संगठनों की सहभागिता से किया जा रहा है, जिससे स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप दिया जा सके।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छता के नवाचारों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत 7 मार्च को प्रातः 8 बजे से शहर के सभी जोन क्षेत्रों में जनसहयोग से तैयार की गई 21 बैकलेन में एक साथ रंग दे बैकलेन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल बैकलेन को साफ रखना नहीं है, बल्कि उन्हें आकर्षक, व्यवस्थित और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनाना भी है। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों, रहवासी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनसहभागिता को और मजबूत किया जा सके।

इसी क्रम में जोन क्रमांक 21 के वार्ड क्रमांक 80 स्थित धनवंतरी नगर में साई निकेतन अपार्टमेंट के पास दुर्गा भोजनालय के समीप स्थित बैकलेन में भी 7 मार्च को सुबह 8 बजे विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल और क्षेत्रीय पार्षद प्रशांत बडवे की उपस्थिति में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों, रहवासी संगठनों और स्कूली बच्चों की भागीदारी से योग सत्र, रंगोली प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता और बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और अपने आसपास के क्षेत्र को सुंदर बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगर निगम का उद्देश्य है कि जनभागीदारी से शहर की बैकलेन स्वच्छ और आकर्षक बनें तथा पूरे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण हो सके।

लालबाग क्षेत्र में जीटीएस और उद्यान का महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार सुबह वार्ड क्रमांक 66 के अंतर्गत लालबाग के पीछे स्थित जीटीएस (गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था और कचरा प्रबंधन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, महापौर प्रतिनिधि भारत पारख, क्षेत्रीय पार्षद कंचन गिद्वानी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने जीटीएस परिसर में रखे ग्रीन वेस्ट और अन्य सामग्री की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में अनावश्यक रूप से जमा ग्रीन वेस्ट और अन्य अव्यवस्थित सामग्री को तत्काल हटाया जाए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता और सुव्यवस्था बनी रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि जीटीएस परिसर में कचरे के संग्रहण और परिवहन की व्यवस्था व्यवस्थित ढंग से संचालित की जाए तथा नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए।

इसके बाद महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने त्रिवेणी कॉलोनी स्थित उद्यान का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान में स्वच्छता, हरियाली और नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यान का नियमित रखरखाव किया जाए, ताकि यहां आने वाले नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। महापौर ने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था बनाए रखना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार निरीक्षण और सुधारात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

इंदौर में 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान तेज, 22 कार्यक्रमों में 3600 से अधिक हेलमेट वितरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार 6 मार्च 2026 को शहर के पलासिया चौराहे पर इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 22वां वृहद हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

अभियान के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने ऐसे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए जिनके पास वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस पूर्ण पाए गए। वहीं जो वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करते हुए मिले, उनके खिलाफ पहले चालानी कार्रवाई की गई और उसके बाद उन्हें सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट भी प्रदान किए गए।

इस दौरान कई जिम्मेदार दोपहिया चालक ऐसे भी मिले जो पहले से ही हेलमेट पहनकर वाहन चला रहे थे। पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों ने ऐसे जागरूक वाहन चालकों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार भी प्रदान किए।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार आयोजित किए जा रहे इस अभियान के तहत अब तक 22 कार्यक्रमों में 3600 से अधिक हेलमेट जरूरतमंदों को वितरित किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता से अवगत कराना और उन्हें स्वेच्छा से यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है।

'वेस्ट से आर्ट, टैलेंट से पहचान' थीम पर आर.आर.आर. टैलेंट प्रतियोगिता, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 मार्च

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता और वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा वेस्ट से आर्ट, टैलेंट से पहचान थीम पर आर.आर.आर. टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता माननीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देना और वेस्ट मैनेजमेंट के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।

नगर निगम इंदौर द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में शहर के स्कूल, कॉलेज, निजी संस्थान, स्टार्टअप्स और आम नागरिक भी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता का आयोजन गांधी हॉल में किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि पहले 10 मार्च निर्धारित की गई थी, जिसे बढ़ाकर अब 25 मार्च कर दिया गया है।

इस प्रतियोगिता के तहत वेस्ट मटेरियल से तैयार की गई उत्कृष्ट कलाकृतियों का चयन किया जाएगा और चयनित प्रतिभागियों की कृतियों को उनके संबंधित वार्डों में स्थापित किया जाएगा। साथ ही प्रतिभागियों को वार्ड स्तर पर नगर निगम द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी और स्वच्छता, पुनः उपयोग तथा रिसायक्लिंग का संदेश अधिक लोगों तक पहुंचेगा।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार बनाई जाने वाली वेस्ट टू आर्ट कलाकृति की ऊंचाई कम से कम 6 फीट होनी चाहिए और उसका निर्माण केवल बेकार या पुनः उपयोग योग्य सामग्री से किया जाना अनिवार्य होगा। प्रतिभागी प्लास्टिक, धातु, लकड़ी, कागज या इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट जैसी सामग्री का सुरक्षित उपयोग कर सकते हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की ज्वलनशील या हानिकारक सामग्री का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

वार्ड 66 के निरीक्षण पर पहुंचे महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नागरिकों से किया स्वच्छता जनसंवाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार सुबह वार्ड क्रमांक 66 के अंतर्गत दुबे का बगीचा, पलसीकर कॉलोनी और गोल उद्यान सहित पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था, विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के समय स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, महापौर प्रतिनिधि भारत पारख, क्षेत्रीय पार्षद कंचन गिद्वानी सहित नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने दुबे का बगीचा क्षेत्र में नागरिकों के सहयोग से तैयार की गई बैकलेन का अवलोकन किया। स्थानीय लोगों ने इस बैकलेन को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए दीवारों पर सुंदर पेंटिंग कराई है और बच्चों के खेलने के लिए क्रिकेट सहित अन्य खेल गतिविधियों की व्यवस्था भी की है। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बैकलेन में बच्चों और नागरिकों के साथ क्रिकेट भी खेला। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनभागीदारी से किए गए ऐसे कार्य शहर की स्वच्छता और सुंदरता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इसी प्रकार के प्रयास अन्य क्षेत्रों में भी किए जाएंगे।

इसके बाद पलसीकर कॉलोनी स्थित गोल उद्यान में महापौर ने क्षेत्रीय रहवासियों के साथ स्वच्छता और विकास कार्यों को लेकर जनसंवाद किया। उन्होंने नागरिकों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने और नगर निगम के स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील की। महापौर ने कहा कि इंदौर लगातार स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी रहा है और नागरिकों के सहयोग से इस बार भी शहर स्वच्छता में सिरमौर बनेगा।

जनसंवाद के दौरान नागरिकों ने क्षेत्र में पानी की समस्या की जानकारी भी दी, जिस पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नागरिकों से घरों में कम से कम तीन प्रकार के डस्टबिन रखने की सलाह दी, ताकि कचरे का सही तरीके से पृथक्करण किया जा सके। उन्होंने कहा कि घरों से निकलने वाले अनुपयोगी सामान को वार्ड में स्थापित 3आर (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) सेंटर पर जमा कराया जाए, जिससे इन वस्तुओं का बेहतर उपयोग किया जा सके और जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके।

महापौर ने पर्यावरण संरक्षण और संसाधन प्रबंधन पर जोर देते हुए नागरिकों से अपने घरों में सोलर प्लांट लगाने और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा और वर्षा जल संचयन अत्यंत आवश्यक है।

सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को निःशुल्क उपचार देने के संबंध में बैठक आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को निश्शुल्क उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 फरवरी 2026 को प्रधानमंत्री राहत योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत दुर्घटना में घायल मरीजों को डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार प्रदान किया जाएगा। उक्त योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष क्रमांक 102 में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों तथा मेडिकल कॉलेजों के संचालक, प्रबंधक एवं आयुष्मान मित्र उपस्थित रहे। बैठक को संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रोशनी वर्धमान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता, डॉ. हेमंत गुप्ता तथा पुलिस विभाग से एडिशनल डीसीपी मीना चौहान द्वारा संबोधित किया गया।

नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा, जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में नगरीय निकायों की संयुक्त बैठक सुशासन भवन में आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी सीएमओ तथा निकायों के इंजीनियर उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश दिए कि नगरीय निकायों को आवंटित भूमि आबादी से कितनी दूरी पर स्थित है, इसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें, ताकि भविष्य की योजनाओं के लिए सटीक डाटा उपलब्ध हो सके। बैठक में भूमि आवंटन, निर्माण कार्यों की प्रगति, बजट, पीएम आवास योजना शहरी 2.0, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना तथा जल संचय जन भागीदारी अभियान की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष में शेष सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में एसटीपी प्लांट, ग्रीन स्पेस, शौचालय निर्माण, भवन निर्माण तथा अन्य नवीन विकास कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यदि कोई नगरीय निकाय किसी अन्य विभाग की भूमि या भवन का उपयोग करता है तो पूर्व में संबंधित विभाग से अनिवार्य रूप से एनओसी प्राप्त की जाए। साथ ही शहरी क्षेत्र में जहां-जहां खाली भूमि उपलब्ध है, उसे भी नक्शे पर चिन्हित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत आवासों की डीपीआर शीघ्र स्वीकृत कराई जाए तथा लंबित आवेदनों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। पात्र हितग्राहियों के आवेदनों की जांच एवं कार्यवाही भी निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जाए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगरीय निकायों को एक-दूसरे के बेहतर मॉडल अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यदि योजना के क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही हो तो उसका तत्काल समाधान किया जाए तथा बैंकों में लंबित आवेदनों को शीघ्र स्वीकृत कराया जाए। इसके साथ ही जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत छोटे-छोटे जल संरक्षण कार्यों की सूची बनाकर उन्हें प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि जल संरक्षण के प्रयासों को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा सके।

डीएम ने लगाया चारे-भूसे के निर्यात पर प्रतिबंध

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा म.प्र.पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के तहत पशुओं के आहार में आने वाले सभी प्रकार के चारा भूसा घास ज्वार आदि पशु चारे का उपयोग ईंट भट्टे में जलाने फैक्ट्रियों में जलाने एवं प्रदेश की सीमा से बाहर निर्यात करने पर तत्काल प्रभाव से 30 जून 2026 तक के लिए प्रतिबंधित लगा दिया गया हैं। इस संबंध में जारी आदेशानुसार सभी प्रकार के भूसा चारा घास कडवी आदि को कोई भी कृषक व्यापारी व्यक्ति या निर्यातक संस्था किसी भी प्रकार के वाहन नाव मोटर ट्रक बैलगाडी एवं रेल्वे अथवा अन्य साधन द्वारा जिले के बाहर बिना कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की लिखित अनुमति के निर्यात नहीं करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उक्त आदेश का उल्लंघन होने पर म.प्र.पशु चारा (निर्यात नियंत्रण) आदेश 2000 के निहित प्रावधानों के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी। एडीएम श्री बी.एस.कलेश द्वारा 6 मार्च को जारी आदेशानुसार उपसंचालक पशु चिकित्सा नीमच एवं जिले की गौशालाओं के अध्यक्ष, सचिवों एवं पशुपालक किसानों द्वारा संज्ञान में लाया गया है कि नीमच जिले में चारा भूसा के निर्यात होने व अन्य कारणों से पशुओं के भूसा एवं चारा आदि की कमी होने की आशंका है। अतः जिले में उत्पादित भूसा एवं चारे को पशुओं हेतु पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति एवं उनका संग्रहण करना आवश्यक हैं।

महिला दिवस के अवसर पर एच.पी.वी. टीकाकरण हेतु विशेष टीकाकरण अभियान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सर्विकल कैंसर से बचाव के लिये राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान जिले मे कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा हैं। अभियान को गति प्रदान करने के उद्देश्य से 8 मार्च महिला दिवस पर रविवार के दिन भी विशेष टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया जावेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.दिनेश प्रसाद ने बताया कि वर्तमान में जिला चिकित्सालय नीमच सामु.स्वा.केन्द्र सिंगोली जीरन सिविल हास्पिटल जावद, रामपुरा, जावद, मनासा इन छ स्थानों पर टीकाकरण किया जा रहा है। महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाए प्रदाय करने के उदेश्य से जिले में शासकीय अवकाश दिवस में भी एच.पी.वी. टीकाकरण किया जावेगा। इन टीकाकरण सत्रों पर 14 वर्ष पूर्ण चुकी किशोरी बालिकाए एवं 15 वर्ष में प्रवेश कर चुकी प्रथम 03 माह तक की किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण सत्र स्थल पर किशोरी बालिका स्वयं अपने अभिभावक के साथ आशा कार्यकर्ता आंगनवाडी कार्यकर्ता, शिक्षक के साथ उपस्थित होकर टीकाकरण करवा सकती है, इसके लिये आधार कार्ड एवं मो.न. साथ होना अनिवार्य है। डा.प्रसाद ने बताया कि उक्त वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित होकर भविष्य में महिलाओ को होने वाले सर्विकल कैंसर से बचाऐगी। उन्होने लक्षित सभी बालिकाओं से टीकाकरण करवाने अनुरोध किया हैं।

परिवहन विभाग का वाहन चेकिंग अभियान शुरू, बिना दस्तावेज संचालित वाहनों पर कार्यवाही

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा जिले में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पी.एस. भीलाला ने बताया कि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बिना आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रहे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान 12 ऑटो रिक्शा, एक टाटा मैजिक, दो विक्रम टेम्पो तथा एक यात्री बस को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण जब्त किया गया।

जिला प्रशासन नीमच द्वारा जनसहयोग से जल संवर्धन की सार्थक पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में 982 जल संरचनाओं का गहरीकरण कर, एक लाख 38 हजार ट्रेक्टर ट्राली मिट्टी निकाल कर, किसानों ने अपने खेतों में डाली- नये खेत तैयार

नीमच ।(सतीश सैन) जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिल में जन सहयोग से जल संवर्धन का अभियान 2025 चलाया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में चलाए गये जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत गत वर्ष जिले में 243 ग्राम पंचायतों में गहरीकरण के लिए कुल 1660 तालाबों, चेकडेम, स्टाप डेम एवं अन्य जल संरचनाओं को चिन्हित कर, 982 जल संरचनाओं का जन सहयोग से गहरीकरण कर एक लाख 38 हजार ट्रेक्टर ट्राली मिटटी निकालकर किसानों ने अपने खेतों में डाली हैं। इस कार्य में कुल 5871 ग्रामीणों ने अपनी सहभागिता की हैं। इससे एक ओर जहां तालाबों एवं जल संरचनाओं का गहरीकरण होकर उनकी जल भराव क्षमता 4.14 लाख घन मीटर बढ़ी है। साथ ही किसानों को अपने खेतों के लिये उपजाऊ मिटटी भी उपलब्ध हुई हैं। किसानों से तालाबों से निकाली मिट्टी का उपयोग नये खेतों को तैयार करने में किया हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के तहत जिले में 830 खेत तालाबों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था, इसमें से 510 खेत तालाबों का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया हैं। जिले में 1968 डगवेल रिचार्ज के कार्य स्वीकृत किए गए थे। इनमें से अबतक 1783 डगवेल रिचार्ज के कार्य पूर्ण हो गये है। जिले में गत वर्ष 18 अमृत सरोवर निर्माण के कार्य किए गऐ हैं।

इस वर्ष 203 खेत तालाब एवं 17 अमृत सरोवर के कार्य चिंहित- जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत इस वर्ष 203 खेत तालाब निर्माण, 11 पुल, पुलिया पर वाटर रिटेनिंग स्ट्रक्चर, 169 जल संरचनाओं का गहरीकरण कर मिट्टी निकालने, 54 जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार तथा 30 नये अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य चयनित किया गया है।

खाड़ी देशों में रह रहे नीमच जिले के निवासियों की सहायता के लिए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रख खाड़ी देशों में रह रहे नीमच जिले के निवासियों की सहायता के लिए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा कलेक्टोरेट नीमच में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। नीमच जिले के निवासी जो खाड़ी देशों में अध्ययन, नौकरी, व्यवसाय, पर्यटन, इत्यादि के लिए गये, वे वर्तमान परिस्थितियों में किसी प्रकार की सहायता की अपेक्षा करते हों, तो वे कंट्रोल रूम पर संपर्क कर सकते हैं। कंट्रोल रूम की सहायता से जिला प्रशासन द्वारा संबंधितों को भारत सरकार एवं संबंधित अन्य एजेंसियों से संपर्क करते हुए सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। नीमच जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर- 07423-257566 एवं 07423-181 हैं। खाड़ी देशों में किसी भी कारण से नीमच जिले के निवासी किसी नागरिक को यदि कोई सहायता की आवश्यकता है, तो वह स्वयं या उसके परिजन उक्त कंट्रोल रूम पर प्रातः10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्यालयीन समय में संपर्क कर, सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

किलेश्वर रोड़ पर अज्ञात लाश मिलने से फैली सनसनी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कैंट थाना अंतर्गत आने वाले सी आर पी रोड स्थित स्टेशन के समीप कालका माता मंदिर के यहां आज एक नाले के अंदर लाश मिलने से सनसनी फैल गई । मृतक की उम्र 30 वर्ष लगभग बताई जा रही है। सूचना पर नीमच कैंट प्रभारी निलेश अवस्थी अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस व्यक्ति की लाश मिली है उसके उल्टे हाथ की कलाई पर इंग्लिश में श्च 1 लिखा हुआ है और चेहरे पर जर्म्स (कीड़े) पड़ गए थे। व्यक्ति के शरीर पर कपड़े भी नहीं थे और व्यक्ति गंजा सर पर बाल नहीं है व्यक्ति के पैरों को कुत्ते ने नोच रखा है । पुलिस ने शव को शासकीय चिकित्सालय की मर्चुरी में भेजा है जहां डॉक्टर की टीम द्वारा जांच करने के पश्चात ही पता चल पाएगा कि उक्त व्यक्ति की मृत्यु किन कारणों से हुई उक्त घटनाक्रम के मामले में नीमच कैंट पुलिस का जांच अनुसंधान अभी जारी है।

गणेश मंदिर में चोरी, दोनों दानपेटियां उठा गए चोर, कोतवाली की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सहकारी बैंक नई आबादी शाखा के समीप गणेश मंदिर में बीती रात्रि में बदमाशों की टीम ने मंदिर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने मंदिर के अंदर स्थित दोनों दान पेटियों को अंट लगाकर बाहर निकाला और दोनों दान पेटियों को ही उठा कर चंपत हो गए हैं। सुरक्षा के हिसाब से दान पेटी को भी वेल्डिंग से कसी हुआ था, इसके बाद भी चोर दानपात्रों को उठाकर ले जाने में सफल रहे। यह गणेश मंदिर शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित है, यानी यह रोड चलता मार्ग है। इसके बाद भी चोरी की घटना पर कोतवाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं, साथ ही सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं। अनुमान लगाया गया है कि दान पेटियों में करीब 30 से 35 हजार रुपए की दानराशि होगी।

चोरों की करतूतें भगवान के मंदिर को भी नहीं छोड़ रही है। पिछले समय में कई मंदिरों में चोरी की घटनाएं सामने आती रही है। शहर में भी कई मंदिर में चोरी हो चुकी है। बिती रात्रि में सहकारी बैंक नई आबादी द्वारा संचालित गणेश मंदिर में चोरी की घटना से सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

मंदिर से जुड़े पुजारी

ने बताया कि साइड का लॉक तोड़कर चोर अंदर घुसे हैं। दानपेटी को वेल्डिंग से भी सुरक्षा के हिसाब से मजबूत किया गया था। अंट लगाकर दान पेटी को उठाया जाना प्रतीत हो रहा है। सुरक्षा की कमी है। मेन रोड पर यह मंदिर है और चोरी हो गई है। मंदिर में केमरे नहीं है। सामने अस्पताल और बैंक के केमरे हैं, जिनकी मदद ली जा रही है। मंदिर पुजारी रामलाल पुरोहित ने बताया कि पूर्व दिशा में कॉलम खड़े हैं, वहां तोड़कर ही चोर घुसे हैं। चौकीदार ने उन्हें बताया कि रात्रि 12 बजे उसने देखा था, उसके बाद ही घटना हुई है। हर महीने दानपेटी खोली जाती है। इसमहीने खोली जानी थी। दानपेटियों में 30 हजार के आसपास राशि रही होगी। मंदिर पुजारी कैलाशचंद्र पुरोहित ने बताया कि गणेश मंदिर में रैलिंग तोड़ी गई व लॉक तोड़ा गया है। दोनों दान पात्र चोर ले गए हैं। घटना निंदनीय है। इसकी जांच तत्परता से की जाए व जो चोरों तक जल्द पहुंचना चाहिए।

चोरी की कई घटनाएं अनसुलझी, हाल ही में गोरधननाथ मंदिर में हुई थी वारदात- गौरतलब है कि मंदिर में चोरों की घटनाएं निंदनीय तो है ही साथ ही चिन्ताजनक भी है। पूर्व वर्षों में कई जगह मंदिरों में चोरी की घटनाएं हो चुकी है। अनेकों में ये घटनाएं सुलझाई नहीं जा सकी है। पिछले समय ही जीवागंज स्थित गोरधननाथ मंदिर में भी चोरी की घटना हो चुकी है। इस पर से भी परदा अभी तक नहीं उठ पाया है। चोरों का सुराग हासिल नहीं हो सका है।

जूनियर वकील की सड़क दुर्घटना में मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोर्ट रोड पर मछली मार्केट के सामने शुक्रवार दोपहर एक जूनियर वकील की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। दुर्घटना तब हुई जब वकील अपनी बाईक से बाजार की ओर जा रहे थे, तब पीछे से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। कोतवाली पुलिस के अनुसार पंकज पिता ईश्वरदास बैरागी निवासी नावनखेड़ी थाना नाहरगढ़ ने शिकायत दर्ज करवाई व बताया कि वे मंदसौर कोर्ट में वकालत करते हैं। साथ में मनीष पिता चंद्रप्रकाश बैरागी भी वकालत करते हैं। दोपहर में कोर्ट से मनीष अपनी बाइक से जा रहे थे, तब मछली मार्केट के समीप अल्टो कार से वे दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

लोक नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों से सजेगा कृति उत्सव-2026

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कला, संस्कृति और परंपरा का उत्सव कृति उत्सव-2026 के अंतर्गत 7 मार्च को टाउन हॉल में भव्य लोक नृत्य का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ रात्रि 8 बजे से होगा, जिसमें शहर के कला प्रेमियों को लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देखने का सुअवसर मिलेगा। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर खंडवा के अनुजा उपाध्याय ग्रुप द्वारा आकर्षक लोक नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों और जीवंत संगीत के साथ कलाकार लोक जीवन की विविध झलकियाँ मंच पर प्रस्तुत करेंगे, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। यह आयोजन कृति परिवार, नीमच द्वारा निशुल्क किया जा रहा है। संस्था अध्यक्ष डॉ. अक्षय राजपुरोहित, सचिव कमलेश जायसवाल एवं प्रचार सचिव कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। 7 मार्च के कार्यक्रम के संयोजक इंजी. बाबूलाल गौड़ एवं श्याम टाकवाल रहेंगे। आयोजकों ने शहर के कला प्रेमियों, विद्यार्थियों और परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ दीपक सिंहल (ऑर्थोपेडिक सर्जन) , श्रीमती सरितादेवी गोयल (वृंदावन ग्रीन होटल), डॉ यशवंत पाटीदार (ऑर्थोपेडिक सर्जन), श्री प्रेम प्रकाश नागदा (सिविल कांट्रेक्टर), श्री राजेश जायसवाल (पराग टेंट सप्लायर), श्री भरत जाजू (समाजसेवी) ,डॉ नरेंद्र कुमावत (फिजियोथैरेपिस्ट), श्री मोनिल मलिक (सियाराम द एथिक स्टूडियो, मलिक परिवार मनासा वाले) उपस्थित रहेंगे। कृति परिवार ने सभी नागरिकों से इस लोक उत्सव में उपस्थित रहकर कार्यक्रम का आनंद लेने का अनुरोध किया है।

सनातन संस्कृति एवं शक्ति की प्रतीक राजपूत महिलाओं ने मनाया फाग उत्सव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगों के त्योहार होली के अवसर पर राजपूत महिलाओं द्वारा फाग उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। पर्यावरण को ध्यान में रखकर सभी महिलाओं द्वारा फूलों और गुलाल से होली खेली। उपरोक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती मेघना चौहान (भाटी) द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में दूरदराज व मन्दसौर से करीब साठ महिलाओं द्वारा नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होली खेली।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती इन्द्रा कुंवर राठौड़, विशेष अतिथि श्रीमती संविता कुंवर राठौड़, श्रीमती ज्योति कुंवर भाटी व श्रीमती शोभा कुंवर चौहान थीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मोनिका राठौड़, निधी राठौड़ व गीतांजलि राठौड़ द्वारा किया गया। आभार श्रीमती सुधा राठौड़ व उमा कुंवर झाला ने किया। कार्यक्रम में आशा पंवार, शिल्पा चुण्डावत, मेघा चुण्डावत, कृष्णा राठौड़, प्रकाश कुंवर राठौड़, अंजना चौहान, चंचल राठौड़, सुषमा राणा, प्रियम राठौर, उषा चौहान, नेहा चौहान, प्रीति राणा, नूतन, हंसा कुंवर, श्रैया राठौर, योगिता राठौर, मनीषा सिसोदिया, बुलबुल चौहान, वर्षा, उर्मिला चन्द्रावत, प्रेम कुंवर, निना झाला, यूमल, अमिषा, दीपशिखा सिसोदिया, मान्यता पंवार, ऐश्वर्या सिसोदिया, इन्दू कुंवर, पायल राणावत, कमलेश सिसोदिया, गिरजा कुंवर, अश्विनी राणा, कृतिका राठौड़, निर्मला चौहान, मोना राठौड़, निर्मला चौहान, संगीता चुण्डावत, मनीषा, दिक्षिता पंवार, मंजू राठौड़, निधी चौहान, तनुश्री राठौड़, आयुषी राठौड़, शिवानी, रिया, नेहा, राजश्री, राजकुमारी आदि ने भाग लिया।

भैंसोदामंडी चौकी पुलिस ने पकड़ा एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा, तीन गिरफ्तार, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाने के तहत भैंसोदामंडी चौकी पुलिस ने एमडी ड्रग्स एवं डोडाचूरा बरामद किया है। मादक पदार्थ के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देशन में भानपुरा टीआई आरसी दांगी एवं चौकी प्रभारी बलवीरसिंह यादव के नेतृत्व में की गई।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को सउनि औंकारसिंह ठाकुर को मुखबीर सूचना मिली। बताया कि दो व्यक्ति एक बिना नंबर की बाईक अवैध मादक पदार्थ एमडी 150 ग्राम एवं 4 किलो 242 ग्राम डोडाचूरा लेकर जा रहे हैं, जो भैंसोदामंडी बस स्टैंड से रेलवे फाटक होते हुए किसी तस्कर को यह मादक पदार्थ देने जाने वाले हैं। इस सूचना पर सउनि औंकारसिंह एवं गठित टीम ने पुलिस चेक पोस्ट के पास भैंसोदामंडी रोड पहुंचकर विधि संगत कार्रवाई की। यहां एक बिना नंबर की बाईक रोकी, जिस पर सवार आरोपी कुशालसिंह पिता शिवसिंह सौंधिया 23 वर्ष एवं लखनसिंह पिता बालूसिंह सौंधिया 21 वर्ष दोनों निवासी हड़मंतिया ग्राम थाना भवानीमंडी राज. के कब्जे से 150 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 4 किलो 242 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया। दोनों आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की गई। आरोपियों ने बरामद मादक पदार्थ धीरपसिंह निवासी कुड़ीखेड़ा से लेकर आना बताया व दशरथसिंह पिता भवानसिंह निवासी विशनिया थाना शामगढ़ को देने जाना बताया। प्रकरण में विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी दशरथ सिंह 24 वर्ष निवसी बिशनिया को भी गिरफ्तार किया है। मामले में एक आरोपी धीरपसिंह फरार है, जिसकी तलाश जारी है। इस कार्रवाई में भानपुरा थाना निरीक्षक रमेशचंद्र दांगी, उपनिरीक्षक बलवीरसिंह यादव चौकी प्रभारी भैंसोदामंडी, सउनि औंकारसिंह ठाकुर, आरक्षक मुख्तियारसिंह, लोकेन्द्रसिंह, राजेन्द्र सिंह राजावत एवं मुकेश पाटीदार का योगदान रहा।

पोषण आहार में लापरवाही पर कार्रवाईः 9 पर्यवेक्षकों का वेतन राजसात, 13 स्व सहायता समूहों की राशि काटी गई गंगा स्वयं सहायता समूह का अनुबंध समाप्त

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री रामनिवास बुधौलिया ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा विकसित व्यवस्था अंतर्गत परियोजना में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों की मॉनिटरिंग हेतू 6 मार्च को अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान पाडलिया घाटा जोधपूरा ग्राम के गंगा स्वयं सहायता समूह द्वारा सांझा चूल्हा योजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पर पोषण आहार नियमित रूप से प्रदाय नहीं किया जा रहा पाया गया । समूह की लापरवाही के कारण गंगा स्वयं सहायता समूह का महिला बाल विकास परियोजना बाजना से अनुबंध 6 मार्च को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया। साथ ही आंगनवाडी केन्द्रो पर पोषण आहार का निर्धारित मेनू चस्पा नही होना एवं साफ-सफाई का स्तर संतोषजनक नही पाया जाने, पोषण आहार वितरण में अनियमितता, हितग्राहियों के मान से भोजन की मात्रा अपर्याप्त तथा भोजन की गुणवत्ता अच्छी नही पाये जाने के कारण कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के आदेशानुसार 9 आंगनवाडी केन्द्रों की पर्यवेक्षकों का एक दिवस का वेतन तत्काल प्रभाव से राजसात किया गया एवं 1 पर्यवेक्षक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया । जिले के 13 स्थानीय स्व सहायता समूहों की एक दिवस की पोषण आहार की राशि काटी गई।

सुवासरा पुलिस की डोडाचूरा पीसते समय दबिश, 141 किलो डोडा चूरा मिला

दो मिक्सर, एक कार और चार बाईक भी बरामद हुई, पांच आरोपी फरार, तहकीकात जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस ने मुखबीर सूचना पर डोडा चूरा पीसते समय दबिश दी। दबिश के दौरान दो मिक्सर, एक तौल कांटा और आरोपियों की एक कार तथा चार मोटर साईकिलें मिली है, जिसे जब्ती में लिया गया। मौके से 141 किलो डोडा चूरा मिला है, जो कुछ पीसा हुआ तथा कुछ खड़ा मात्रा में रहा है। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर थाना प्रभारी अनिलसिंह रघुवंशी एवं उनकी टीम द्वारा की गई है। मामले में तीन आरोपी नामजद होकर पांच आरोपी बनाए गए हैं, जो मौके से फरार हो गए हैं।

थाना पुलिस के अनुसार 6 मार्च को मुखबीर सूचना मिली। जिस पर एसडीओपी दिनेश प्रजापति एवं टीआई रघुवंशी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम में शामिल सउनि लक्ष्मणसिंह डोडिया व अन्य पुलिसकर्मियों ने ग्राम हंसपुरा के पास स्थित श्यामसिंह के खेत पर दबिश दी। उसके खेत से इको कार एवं चार प्लास्टिक के कट्टों में भरा डोडाचूरा मिला। साथ ही पीसा डोडा चूरा व खेत में एकत्र किए गए तीन प्लास्टिक के कट्टों में से डोडा चूरा छिलका व पीसा हुआ मिला। इस तरह 141 किलोग्राम कुल वजन रहा। मौके से डोडाचूरा पीसने हेतु उपयोग में लाए गए दो मिक्सर एवं जार भी बरामद किए गए हैं। साथ ही चार मोटर साईकिलें और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी मौके से जब्ती में लिया गया है। पुलिस प्रेसनोट के अनुसार दबिश के दौरान आशंका होने पर आरोपीगण विक्रमसिंह पिता गुमानसिंह, नेपालसिंह पिता गंगाराम दोनों निवासी हंसपुरा एवं ईश्वरसिंह पिता राघुसिंह निवासी ग्राम खेजड़िया मेघाव इनके अन्यदो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर घटनास्थल से फरार हो गए हैं, जिनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्ती सामग्री में सात कट्टों में भरा 141 किलो डोडा चूरा, जिसकी कीमत 2 लाख 82 हजार रुपए आंकी गई है। इसकार्रवाई में सुवासरा थाने के सउनि अशोक उईके, प्रआ सुरेन्द्र चौधरी, आरक्षक मोतीलाल, मनीष धाकड़, अनिल यादव, कारुलाल मकवाना शामिल रहे हैं।

सम्पादकीय

स्त्री शक्ति के महत्त्व से राष्ट्र निर्माण में चौतरफा विकास

भारतीय संस्कृति और इतिहास में स्त्रियों को सदैव उच्च स्थान प्रदान किया गया हैद्य यह भी मान्यता मानी गई है कि जिस घर में स्त्री का सम्मान होता है, वह घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो कर समाज में विशिष्ट स्थान बनाता हैद्य यही कारण है कि भारत देश को भारत माता कहा जाता हैद्य नारी तथा समस्त स्त्री जाति ने भारत देश का मान सदैव शीर्षस्थ बना कर रखा है ऐसे अनगिनत उदाहरण इतिहास में और वर्तमान में हमारे समक्ष हैं जिससे हमारा सिर सदैव वैश्विक स्तर पर ऊंचा हुआ है।

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है।

पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी।

सत्य की खोज को सही मार्गदर्शन प्रदान करता है सहजयोग

बदलाव उन्नति को दर्शाता है, जिस प्रकार समय के साथ- साथ मानव जीवन-शैली में बदलाव आया है उसी प्रकार समय के साथ-साथ प्रकृति को भी बदलाव करने पड़ते हैं। धरती पर अवतरित हुए सभी अवतरणों ने इस बदलाव की आवश्यकता को अपने-अपने तरीकों से एवं समय जिस प्रकार के तरीकों की मांग करता है उन तरीकों से मनुष्य को सही पथ पे चलने के लिए प्रेरित किया है।सभी के तरीके भले ही भिन्न थे परंतु संदेश एक ही था। इसी विषय पर पर प्रकाश डालते हुए सहजयोग की संस्थापिका श्री माता जी निर्मला देवी जी कहते हैं कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सहजयोग।

श्री माता जी साधकों को संबोधित करते हुए समझाते हैं कि प्राचीन काल से चले आ रहे हठयोग, राजयोग आदि उस प्राचीन समय की आवश्यकता थे पर क्योंकि अब मानव विकसित होने की चरम सीमा पर है तो उसे इस बदलाव से मित्रता कर आधुनिक समय की मांग को समझ कर खुद पर कार्य करना होगा, स्वयं को समझना होगा। जो शुद्धता मानव प्राचीन काल में अपने घरों से एवं संबंधियों से दूर रह कर कड़ी तपस्या करने से प्राप्त करता था ताकि वह परमात्मा के प्रेम शक्ति की अनुभूति कर सके, आज के समय में वह शुद्धता, चैतन्य की सतर्कता एवं परमात्मा की प्रेम शक्ति को कुंडलिनी जागरण की सहायता से क्षण भर में अपने सूक्ष्म तंत्र पर महसूस कर सकता है। कुंडलिनी जागरण श्री माता जी के द्वारा दी गई मानवता को एक ऐसी भेंट है जिसने मानव की सत्य-खोज को एक सुंदर आयाम प्रदान किया है। आज के समय विश्व भर में फैला हुआ सहजयोग करोड़ों में सत्य के साधकों द्वारा अपनाया गया है एवं उन सभी ने इस सुंदर अनुभव को अपने अंदर एक सुंदर बदलाव के रूप में देखा है। सहजयोग का प्रथम चरण ही कुंडलिनी जागरण है, जिसकी सहायता से मनुष्य का संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी प्रेम शक्ति से हो जाता है और वह सुंदर प्रेम से प्लावित हो जाता है। सभी पौराणिक ग्रंथों में कुंडलिनी जागरण एवं सहजयोग की परिभाषा का वर्णन किया गया है। यदि मनुष्य ही निर्वाज्य प्रेम से भर जाएगा तो विश्व में हो रही धन और सत्ता की अंधी लड़ाई को खत्म कर केवल आपसी प्रेम की भावना रखेगा और इसी प्रकार पूरा विश्व हर भेदभाव को भुलाकर एक हो जाएगा। यही सपना श्री माता जी ने अपनी आँखों में लिए विश्व भर में यात्राएं की और साधकों की कुंडलिनी जागृत की तथा उसी प्रेम के धागे से सभी सहजयोगियों को बांध एक सुंदर विश्व स्थापित करने का संदेश मनुष्य को दिया।

कनाडा यूरेनियम डील: भारत की ऊर्जा क्रांति या पर्यावरणीय संकट की शुरुआत?

ऊर्जा के मोर्चे पर भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ भविष्य की दिशा तय हो रही है–एक ऐसा भविष्य जहाँ बिजली की कमी अतीत बन जाए, कारखानों की चिमनियों से उठता धुआँ कम हो और हर घर तक पहुँचने वाली ऊर्जा कोयले की कालिख नहीं बल्कि स्वच्छ स्त्रोतों से पैदा हो। यह सपना केवल विकास का नहीं, बल्कि जलवायु सुरक्षा का भी है। लेकिन इस उजले भविष्य की राह में कुछ अंधेरे भी छिपे हैं। मार्च 2026 में भारत और कनाडा के बीच हुई अरबों डॉलर की यूरेनियम डील ने इसी द्वंद्व को फिर सामने ला खड़ा किया है। एक ओर यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन उत्सर्जन का वादा करता है, तो दूसरी ओर खनन, रेडिएशन और पर्यावरणीय खतरों की चिंता भी बढ़ाता है। सवाल है कि क्या यह डील भारत के क्लाइमेट भविष्य को सुरक्षित बनाएगी या यह विकास की ऐसी कीमत होगी जिसे पर्यावरण और आदिवासी समुदायों को चुकाना पड़ेगा?

ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग की दिशा में भारत-कनाडा समझौता एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह केवल व्यापारिक सौदा नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक भी है। इस डील के तहत कनाडा की खनन कंपनी कैमेको भारत को 2027 से 2035 के बीच लगभग 22 मिलियन पाउंड यूरेनियम देगी, जिससे भारत के 24 परमाणु रिएक्टरों को ईंधन मिलेगा। भारत की वर्तमान परमाणु ऊर्जा क्षमता लगभग 8.88 गीगावाट है, जिसे सरकार 2047 तक लगभग 100 गीगावाट तक बढ़ाने का लक्ष्य रखती है। इसके लिए छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत परमाणु तकनीकों पर सहयोग की भी चर्चा है। बढ़ती ऊर्जा मांग और रूस जैसे पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर वैश्विक दबाव के बीच यह समझौता भारत को एक वैकल्पिक और अपेक्षाकृत स्वच्छ ऊर्जा मार्ग दे सकता है, इसलिए इसे ऊर्जा रणनीति का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच परमाणु ऊर्जा को अक्सर एक संभावित समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन और 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। इस परिप्रेक्ष्य में परमाणु ऊर्जा एक स्थिर बेसलोड प्रदान कर सकती है, जो सौर और पवन ऊर्जा की अनियमितता को संतुलित करती है। अध्ययनों के अनुसार परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन में कार्बन उत्सर्जन कोयले से कई गुना कम होता है, इसलिए यह जलवायु परिवर्तन से निपटने का महत्वपूर्ण साधन बन सकती है। लेकिन ऊर्जा के इस स्वच्छ चेहरे के पीछे एक जटिल वास्तविकता भी छिपी है–यूरेनियम के खनन, प्रसंस्करण और अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया पर्यावरणीय जोखिमों से भरी हुई है।

ऊर्जा की चमकदार बहस में यूरेनियम खनन के पर्यावरणीय दुष्प्रभाव अक्सर दबकर रह जाते हैं। खदानों से निकलने वाले रेडियोधर्मी टेलिंग्स यानी अपशिष्ट में थोरियम और रेडियम जैसे तत्व मौजूद रहते हैं, जो लंबे समय तक मिट्टी और जल स्त्रोतों को दूषित कर सकते हैं। कनाडा के सस्कैचेवान क्षेत्र में स्थित कई यूरेनियम खदानों के आसपास भूजल प्रदूषण और वन्यजीवों पर प्रभाव को लेकर समय-समय पर चिंताएँ उठती रही हैं। हालांकि, नियामक रिपोर्ट्स में कुछ साइटों पर सफाई प्रयास चल रहे हैं। भारी मात्रा में पानी के उपयोग और खनन के दौरान उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह ÷स्वच्छ÷ नहीं रहने देते। यही कारण है कि कई पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु ऊर्जा के पूरे जीवन चक्र को ध्यान में रखे बिना इसे जलवायु समाधान के रूप में प्रस्तुत करना अधूरा दृष्टिकोण है।

इस पूरी बहस का सबसे संवेदनशील पहलू आदिवासी समुदायों से जुड़ा हुआ है। कनाडा में जिन क्षेत्रों में यूरेनियम खनन होता है, वहाँ डेने, क्री और मेटिस जैसे इंडिजिनस समुदाय सदियों से रहते आए हैं। कई सामाजिक संगठनों का दावा है कि इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को रेडिएशन से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। फेफड़ों के कैंसर, जेनेटिक विकार और अन्य बीमारियों के मामलों को लेकर वर्षों से चिंता व्यक्त की जाती रही है। कई आदिवासी समूहों का आरोप है कि उनकी जमीनों का इस्तेमाल खनन के लिए किया जाता है, लेकिन निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहमति और अधिकारों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता।

परमाणु ऊर्जा की यह बहस केवल वैश्विक नहीं, भारत में भी उतनी ही तीव्रता से गूंजती है। झारखंड की जादुगुडा यूरेनियम खदान इसका सबसे चर्चित उदाहरण है, जहाँ स्थानीय हो, संताल और मुंडा आदिवासी दशकों से स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को उठाते रहे हैं। कई अध्ययनों में इस क्षेत्र में जन्मजात विकृतियों, कैंसर और अन्य बीमारियों के मामलों को लेकर सवाल उठे हैं। स्वतंत्र अध्ययन इसकी पुष्टि करते हैं, हालांकि यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड इसे अस्वीकार करता है। टेलिंग पॉन्ड्स से रिसाव की घटनाएँ और जल स्त्रोतों में भारी धातुओं की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। इन परिस्थितियों में जब परमाणु ऊर्जा विस्तार की बात होती है, तो यह सवाल भी उठता है कि क्या विकास की कीमत हमेशा उन्हीं समुदायों को चुकानी पड़ेगी जो पहले से ही हाशिये पर हैं।

इन चुनौतियों के बावजूद समाधान की संभावनाएँ भी मौजूद हैं। यदि परमाणु ऊर्जा को वास्तव में जलवायु समाधान बनाना है तो खनन से लेकर अपशिष्ट प्रबंधन तक हर चरण में कड़े पर्यावरणीय मानकों को लागू करना होगा। मजबूत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, पारदर्शिता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। आदिवासी समुदायों के लिए ÷फ्री, प्रायर एंड इन्फॉर्म्ड कंसेंट÷ यानी पूर्व सहमति की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही नई तकनीकों जैसे छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों पर भी गंभीर निवेश जरूरी है।

इससे परमाणु ऊर्जा के जोखिमों को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। ऊर्जा, पर्यावरण और न्याय के चौराहे पर खड़ी भारत-कनाडा यूरेनियम डील एक महत्वपूर्ण परीक्षा बन गई है। अंततः यह केवल ऊर्जा का सवाल नहीं है, बल्कि विकास, पर्यावरण और न्याय के बीच संतुलन की भी कसौटी है। यदि यह समझौता जिम्मेदार नीतियों और मजबूत निगरानी के साथ लागू किया जाता है, तो यह भारत के क्लाइमेट लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लेकिन अगर पर्यावरणीय जोखिमों और आदिवासी अधिकारों की अनदेखी की गई, तो यह डील एक नई समस्या का कारण भी बन सकती है। इसलिए असली सवाल यही है–क्या हम ऐसा विकास मॉडल चुनेंगे जो ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ प्रकृति और मानव गरिमा की भी रक्षा करे? भारत के क्लाइमेट भविष्य का उत्तर शायद इसी संतुलन में छिपा है।

-प्रो. आरके जैन

टाटा संस की सूचीबद्धता पर फिर बढ़ा फोकस

टाटा समूह के हालिया घटनाक्रम ने एक बार फिर टाटा संस की बाजार में सूचीबद्धता की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। यह नमक से लेकर, सेमीकंडक्टर तक के क्षेत्र में कारोबार करने वाले समूह की होल्डिंग कंपनी है। टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट की हालिया अंदरूनी भिड़ंत और नेतृत्व तथा कारोबार में आगे की राह जैसे जटिल मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच सहमति के अभाव ने टाटा संस की सूचीबद्धता के महत्त्व पर ध्यान केंद्रित करा दिया है।

जटिल स्वामित्व संरचना से घिरे होने के बावजूद, टाटा संस की सूचीबद्धता से उम्मीद है कि यह समूह को जोखिमों से, जिनमें शत्रुतापूर्ण अधिग्रहण भी शामिल हैं, सुरक्षित रखेगी। सितंबर 2022 में रिजर्व बैंक ने टाटा संस को 'अपर लेयर' गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिससे तीन वर्षों के भीतर इसे शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराना अनिवार्य हो गया। सितंबर 2025 में समयसीमा समाप्त होने के बाद रिजर्व बैंक ने टाटा समूह के उस अनुरोध पर प्रतिक्रिया नहीं दी है जिसमें उन्होंने 'अपर लेयर कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी' की श्रेणी में बदलाव की मांग की थी। हालांकि टाटा संस को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दाखिल करने से रोका नहीं जा सकता, लेकिन इस विषय पर नियामक स्पष्टता लंबे समय से लंबित मुद्दे को सुलझाने में मदद करेगी। गत 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक के नवीनतम घटनाक्रमों के बाद टाटा संस की सूचीबद्धता की आवश्यकता और महत्त्वपूर्ण हो गई है। इस बैठक में, टाटा संस के बहुल शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा ने कथित तौर पर टाटा संस की सूचीबद्धता के मुद्दे को एन. चंद्रशेखरन के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल के नवीनीकरण से जोड़ा। नोएल टाटा ने छह महीने पहले चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल की सिफारिश की थी और उस पर टाटा ट्रस्ट्स ने एक प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन फरवरी की बोर्ड बैठक में उन्होंने चंद्रशेखरन से यह आश्वासन मांगा कि टाटा संस निजी ही बनी रहेगी। कुछ टाटा कंपनियों की लाभप्रदता से संबंधित अन्य शर्तें भी चंद्रशेखरन के कार्यकाल के नवीनीकरण पर हुई चर्चा का हिस्सा थीं, जिसके चलते निर्णय स्थगित हो गया। नोएल टाटा द्वारा प्रस्तावित शीर्ष नेतृत्व के कार्यकाल का सशर्त नवीनीकरण न केवल अनिश्चितता का संदेश देता है बल्कि समूह के भीतर शासन पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

जहां तक अंशधारिता ढांचे की जटिलता का प्रश्न है तो टाटा ट्रस्ट्स जो परिभाषा के स्तर पर एक परोपकारी संस्थान है, वह टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखता है। टाटा संस करीब 26 सूचीबद्ध कंपनियों का संचालन करती है और कई अन्य गैरसूचीबद्ध कंपनियों की भी। इस जटिलता को बढ़ाते हुए नोएल टाटा, जो अक्टूबर 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने थे और बाद में टाटा संस के बोर्ड में भी शामिल हुए।

-सुनील कुमार महला

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी- क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-÷यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

-ललित गर्ग

रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में भारत के छोटे लेकिन स्थिर कदम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक बुलेटिन में जनवरी 2026 से देश के कुल निर्यात और आयात की रुपये में बिलिंग और निपटान से संबंधित दो सारणियां शामिल की जाने लगीं। हालांकि फिलहाल भारत के कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार का लगभग 5 फीसदी हिस्सा ही रुपये में तय होता है, फिर भी यह आंकड़ा ऐसे बदलाव की ओर इशारा करता है जो समय के साथ-साथ देश के शेष विश्व के साथ व्यापार करने के तरीके को बदल सकता है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद अमेरिका ने रूस की सभी डॉलर संपत्तियों न केवल फ्रीज कर दिया, बल्कि उसे ?स्विफ्ट प्रणाली का उपयोग करने से भी रोक दिया और न्यूयॉर्क स्थित डॉलर भुगतान और निपटान प्रणाली तक उसकी पहुंच अवरुद्ध कर दी। स्विफ्ट एक सुरक्षित नेटवर्क है जिसका उपयोग कम से कम 200 देशों में वित्तीय संस्थान अंतरराष्ट्रीय धन और प्रतिभूति अंतरण के लिए निर्देश भेजने के लिए करते हैं।

इस वजह से भारत समेत कई देशों ने डॉलर और डॉलर-प्रधान भुगतान एवं निपटान प्रणाली के विकल्पों की खोज शुरू कर दी। आरबीआई ने रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए एक रोडमैप तैयार करने के वास्ते एक अंतर-विभागीय समूह (आईडीजी) का गठन किया।

जुलाई 2023 में प्रकाशित इसकी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक व्यवस्था के पुनर्संतुलन के साथ, आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। इस पृष्ठभूमि में, रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आरबीआई के 90वर्ष के होने पर आयोजित समारोह में 1 अप्रैल, 2024 को मुंबई में अपने संबोधन में कहा कि रुपया विश्व भर में सुलभ और स्वीकार्य होना चाहिए।

आईडीजी की रिपोर्ट में एक प्रमुख सिफारिश यह थी कि व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्रा में लेन-देन की व्यवस्था की जाए ताकि निर्यात और आयात के बिल, भुगतान और निपटान रुपये या व्यापारिक साझेदार की मुद्रा में किए जा सकें। इस तरह की व्यवस्था का मुख्य लाभ यह है कि यह विनिमय दर के जोखिम को सीमित करता है। यह उस देश के निर्यातकों के लिए फायदेमंद है जिसकी मुद्रा में बिलिंग होती है।

सशक्त और स्थिर अर्थव्यवस्था वाले देशों द्वारा जारी की गई मुद्राएं अत्यधिक स्थिर, तरल और सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत होती हैं। इन्हें सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि ये अपना मूल्य बनाए रखती हैं, और इनका व्यापक रूप से अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में उपयोग किया जाता है। प्रमुख मजबूत मुद्राएं अमेरिकी डॉलर, यूरो, जापानी येन, ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग, स्विस फ्रैंक, कैनेडियन डॉलर, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और न्यूजीलैंड डॉलर हैं। सिंगापुर डॉलर, हॉन्ग कॉन्ग डॉलर और स्वीडिश क्रोना को दूसरे स्तर की मजबूत मुद्राएं माना जाता है।

जुलाई 2023 से, आरबीआई ने संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मालदीव और मॉरीशस के केंद्रीय बैंकों के साथ स्थानीय मुद्रा व्यवस्था पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कई अन्य केंद्रीय बैंकों के साथ भी इसी तरह के समझौता ज्ञापन पर काम चल रहा है।

स्थानीय मुद्रा व्यवस्था के तहत, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार के भुगतान और निपटान भारत में विशेष रुपी वोस्त्रो खातों (एसआरवीए) और साझेदार देशों में इसी तरह के खातों के माध्यम से होते हैं। जर्मनी और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के बैंकों सहित 35 देशों के 83 बैंकों ने भारतीय बैंकों में एसआरवीए खाते खोले हैं।

निर्यातकों को डॉलर के बजाय रुपये में बिल बनाने को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय निर्यातकों ने सिफारिश की है कि निर्यात का बिल रुपये में बने या डॉलर में, दोनों ही स्थितियों में भारतीय निर्यातकों को समान प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। सरकार ने रुपये में बिल बनाने वाले भारतीय निर्यातकों को समान प्रोत्साहन उपलब्ध करा दिए हैं। आरबीआई के बुलेटिन के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में यानी अप्रैल से दिसंबर 2026 के बीच, भारत से वस्तुओं और सॉफ्टवेयर के निर्यात का 6.08 फीसदी और भारत को आयात का 4.82फीसदी रुपये में बिल किया गया था। रुपये में निपटान के लिए ये आंकड़े क्रमशः 2.84 फीसदी और 2.36 फीसदी थे। जनवरी के मध्य में ब्लूमबर्ग इंडेक्स सर्विसेज ने अपने प्रमुख ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने का निर्णय स्थगित कर दिया। इस वर्ष के अंत तक हमें इसके अगले कदम के बारे में पता चल जाएगा। लेकिन यह सच है कि भारतीय सरकारी बॉन्ड प्रमुख उभरते बाजारों के बेंचमार्क में लगातार अपनी जगह बना रहे हैं। जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी इंडेक्स में जून 2024 में इन्हें शामिल किया गया, जिसके बाद ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट लोकल करेंसी बॉन्ड इंडेक्स (जनवरी 2025) और एफटीएसई रसेल इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स (सितंबर 2025) ने भी इन्हें शामिल किया। विदेश में रुपये में होने वाले लेन-देन के लिए यह आवश्यक होगा कि भारत में रहने वाले और अनिवासी भारतीय रुपये और अन्य मुद्राओं में भुगतान और प्राप्ति कर सकें। इसे संभव बनाने के लिए, आईडीजी की रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं के माध्यम से भारत के बाहर रुपये में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। एनआरआई अब ऐसे रुपये खाते खोल सकते हैं। आरबीआई ने एक कदम आगे बढ़ते हुए हाल ही में नेपाल, भूटान और श्रीलंका में रहने वाले एनआरआई को भारतीय बैंकों की विदेशी शाखाओं से रुपये में ऋण लेने की अनुमति दी है। क्या अमेरिका को नाराज करने वाले देशों को स्विफ्ट और डॉलर-प्रधान वैश्विक भुगतान एवं निपटान प्रणाली से बाहर किए जाने का खतरा है? यह एक अनुमान मात्र है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो इससे निपटने का एकमात्र तरीका भारतीय भुगतान प्रणालियों, जैसे कि आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) और एसएफएमएस (स्ट्रक्चर्ड फाइनैंशियल मेसेजिंग सिस्टम) को अन्य देशों की भुगतान प्रणालियों से सीधे जोड़ना है।

-धनंजय राजौरा

देवास में अवैध शराब का साम्राज्य! गली-गली में बिक्री, चौराहों पर खुलेआम जाम महिलाओं का निकलना भी मुश्किल?

ठेके से सस्ती शराब, तस्करों के हौसले बुलंद - आबकारी विभाग नए टेंडर में व्यस्त, शहर में उठ रहे मिलीभगत के सवाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध शराब का कारोबार अब पूरी तरह बेलगाम होता नजर आ रहा है। हालत यह है कि गली-गली में खुलेआम शराब बेची जा रही है और कई सार्वजनिक चौराहों पर लोग बेखौफ होकर शराब पीते दिखाई दे रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार आबकारी विभाग और प्रशासन इस पूरे मामले पर अब तक खामोश नजर आ रहा है।

शहर के स्टेशन रोड, सिविल लाइन थाना क्षेत्र, रेलवे पटरी के पास, चंद्रशेखर आजाद मल्टी के आसपास, कर्मदीप स्कूल के पास, बायपास के ढाबों और बालगढ़ रोड सहित कई इलाकों में अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम ढलते ही इन जगहों पर शराब तस्करों की सक्रियता बढ़ जाती है और देर रात तक यह धंधा चलता रहता है।

सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि कई स्थानों पर सार्वजनिक चौराहों पर ही लोग खुलेआम शराब पीते दिखाई देते हैं। खासकर केला देवी चौराहे पर शाम के समय हालात ऐसे हो जाते हैं कि वहां से गुजरने वाली महिलाओं और परिवारों को काफी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शराबियों के जमावड़े के कारण महिलाओं का उस रास्ते से निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर यह शराब कहां से आ रही है। कई जगहों पर शराब सरकारी ठेकों से भी कम कीमत पर बेची जा रही है। ऐसे में लोगों के बीच चर्चा है कि क्या यह नकली शराब है या फिर दूसरे जिलों से अवैध रूप से लाकर यहां बेची जा रही है।

शहरवासियों का कहना है कि जब इतने प्रमुख और व्यस्त इलाकों में खुलेआम शराब बिक रही है तो संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं होना संभव ही नहीं है। ऐसे में यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस पूरे खेल में कुछ अधिकारियों की मिलीभगत भी शामिल है, जिसके कारण अवैध शराब माफिया बेखौफ होकर अपना कारोबार चला रहे हैं।

इधर आबकारी विभाग इन दिनों नए शराब ठेकों के टेंडर की प्रक्रिया में व्यस्त बताया जा रहा है। इसी का फायदा उठाकर अवैध शराब तस्कर शहर में तेजी से अपना नेटवर्क फैला रहे हैं। यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो यह अवैध कारोबार और बड़ा रूप ले सकता है।

शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध शराब के इस पूरे नेटवर्क पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए, सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाए और इस धंधे में शामिल लोगों के साथ-साथ संरक्षण देने वालों को भी बेनकाब किया जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर कब जागता है या फिर शहर में अवैध शराब का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

समय-समय पर विपक्ष के नेताओं ने भी किया है पूरे जिले में विरोध प्रदर्शन किया कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह गौड़ मनीष चौधरी ने भी प्रदर्शन कर प्रशासन को कार्रवाई के लिए ज्ञापन भी दिया गया किंतु कोई कार्रवाई नहीं होना इस बात को दर्शाता है कि देवास जिले में अवैध शराब के कारोबार में प्रशासनिक से जुड़े लोग भी इसमें पार्टनर के रूप में शामिल है !

वार्ड 24 गार्डन मे पेवर्स ब्लाक लगाने के कार्य का भूमिपूजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 24 जयश्री नगर मे स्थित गार्डन व गार्डन के आसपास नगर निगम द्वारा 16 लाख 44 हजार की लागत पेवर्स ब्लाक लगाने के कार्य का भूमिपूजन किया गया। वार्ड पार्षद रितु सवनेर के परिवार मे गमी होने के कारण निगम लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल के द्वारा वार्ड मे स्थित गार्डन मे पेवर्स ब्लाक लगाने के कार्य का भूमिपूज किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया, अखिलेश धुरिया, वार्ड के भरत व्यास, विजय कदम, मानसिंह राजपूत, सुरेश चौधरी, दिपेश शर्मा, नरज सरगरा, मीरा भारद्वाज, पुष्पा शर्मा, जयेश श्रीवास्तव आदि सहित बडी संख्या मे वार्डवासी उपस्थित रहे।

नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी. राय के निर्देशानुसार नगर निगम की अतिक्रमण निरोधक टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में आज योजना कार्यालय के सामने गन्ने का रस, बर्फ एवं पराठे के हाथ ठेले संचालकों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी एवं अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान इस स्थल से सभी हाथ ठेले वालों को हटाया गया तथा चार बंद गुमठियां एवं हाथ ठेले जब्त किए गए। साथ ही पटका मशीन भी मौके पर पहुंचाई गई। इसके अतिरिक्त नगर निगम जाने वाले मार्ग पर एल.आई.बी. कार्यालय के पास से भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। नगर निगम द्वारा संबंधितों को भविष्य में सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई। इसी प्रकार अतिक्रमण निरोधक टीम द्वारा गर्ल्स कॉलेज के सामने सड़क के दोनों ओर, शुक्रवारी बाजार, स्टेडियम के सामने, फव्वारा चौक, पोस्ट ऑफिस के सामने, इतवारी बाजार, मिर्ची बाजार एवं गल्ला मार्केट क्षेत्रों में दुकानों के सामने सड़क पर रखा सामान हटवाया गया। साथ ही दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वे अपना सामान दुकान के अंदर निर्धारित क्षेत्र में ही रखें। इस दौरान दुकानों के सामने लगाए गए पाल, पर्दे एवं तिरपाल को भी हटाने की कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त 03 शिकायतों का निराकरण कर उन्हें संतुष्टि पूर्वक बंद कराया गया।

बिछुआ महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर अमर शहीद स्वर्गीय कबीरदास उईके शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में प्राचार्य डॉ. आर.पी.यादव के निर्देशन, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूजा तिवारी के मार्गदर्शन तथा नोडल अधिकारी डॉ. फरहत मंसूरी के नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. सायमा सरदेशमुख ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की मुख्य थीम "Give to Gain" अर्थात् दान करके लाभ प्राप्त करें पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्राओं से चर्चा करते हुए बताया कि प्रत्येक धर्म में दान को सर्वोत्तम सेवा माना गया है तथा दान और समानता का सिद्धांत ही मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर डॉ. अजीत डेहरिया, डॉ. मनिता कौर विरदी तथा डॉ. कीर्ति डेहरिया ने भी अपने विचार साझा किए। छात्राओं ने भी सक्रिय रूप से अपनी बात रखी। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. नमिता चौबे, डॉ. शिवानी सोनी और डॉ. आकाश आहके का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. फरहत मंसूरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. नसरीन अंजुम खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. एन.एल. साहू, श्री रामप्रकाश डहरिया, श्री प्रदीप भारती, श्रीमती शांत रेखा वाडीवा, श्री सूर्यकांत शुक्ला सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस पर आयोजित जागरूकता सेमिनार सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के अवसर पर अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय के मार्गदर्शन में अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी, अमलतास यूनिवर्सिटी, देवास में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस भारत में फार्मेसी शिक्षा के जनक महादेव लाल श्रॉफ की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्य डॉ. नीलम खान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और दवाओं के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि एवं अतिथि वक्ता डॉ. सुमीत द्विवेदी, प्रोफेसर, एक्रोपोलिस इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विभिन्न हेल्थकेयर प्रैक्टिशनर्स की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस वर्ष की थीम "Future Pharma Ecosystem: Fostering Synergy among Academia, Industry, Research, Regulatory and Practice" पर विस्तृत व्याख्यान दिया और बताया कि फार्मेसी के विकास के लिए शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान, नियामक संस्थाओं और प्रैक्टिस के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में उपस्थित अमलतास विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री संजय रामबोले ने फार्मेसी के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंतर्गत सेमिनार, पोस्टर प्रस्तुति, क्विज प्रतियोगिता तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और छात्रों को फार्मेसी के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी शिक्षक और छात्र सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन छात्रा निर्जला चावड़ा ने किया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक: देवास में ट्रैफिक सुधार और अवैध पार्किंग पर कलेक्टर सख्त, 15 दिवसीय विशेष अभियान के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद की मौजूदगी में हुई इस बैठक में शहर के बुनियादी ढांचे, अतिक्रमण और परिवहन नियमों के उल्लंघन पर कड़ा रुख अपनाया गया।

सर्विस रोड पर पार्किंग पर पाबंदी फ्लाइओवर के नीचे बनेगी जगह- कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास नगर चौराहा स्थित फ्लाइओवर के नीचे वाहनों की पार्किंग के लिए सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सर्विस रोड पर किसी भी स्थिति में पार्किंग न होने दी जाए। नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को संयुक्त रूप से पार्किंग प्लान तैयार कर जगह आवंटित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, एबी रोड से अतिक्रमण हटाने के लिए भी संयुक्त टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नियमों की अनदेखी पर चलेगा डंडा- 15 दिन का विशेष अभियान

बैठक में व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस और प्रदूषण जांच पर विशेष जोर दिया गया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि-

सभी पेट्रोल पंपों पर अनिवार्य रूप से प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित हों।

आरटीओ और पुलिस विभाग अगले 15 दिनों तक विशेष अभियान चलाकर व्यावसायिक वाहनों की जांच करें।

बिना परमिट, ओवरलोडिंग, तेज गति और नशे में वाहन चलाने वाले ड्राइवरों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

इंदौर-उज्जैन रूट पर चलने वाली बसों के समय की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए ताकि सड़कों पर अंधी प्रतिस्पर्धा न हो।

सुरक्षा के लिए कॉन्वेक्स मिरर और स्पीड बोर्ड- सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिले के सभी प्रमुख मार्गों पर स्पीड लिमिट के बोर्ड लगाएं। विशेषकर अंधा मोड़ पर कॉन्वेक्स मिरर लगाए जाएं ताकि सामने से आने वाले वाहन स्पष्ट दिख सकें।

बड़ा सवाल- क्या फाइलों में दबी है देवास की पार्किंग और पिक-अप बस स्टैंड योजना?

बैठक में ट्रैफिक सुधार पर तो व्यापक चर्चा हुई, लेकिन शहर के भविष्य से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।

क्या विकास योजना पर हुई चर्चा- देवास विकास योजना 2011 और 2031 में शहर की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए कई स्थानों पर पिकअप बस स्टैंड और स्थाई पार्किंग के लिए भूमियां आरक्षित की गई थीं। जमीनी हकीकत यह है कि वर्षों बीत जाने के बाद भी इन आरक्षित भूमियों पर न तो बस स्टैंड बने और न ही व्यवस्थित पार्किंग स्थल। वर्तमान में एमजी रोड और सिविल लाइन जैसे क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव इसी योजना के क्रियान्वयन न होने का परिणाम है।

2041 के प्रारूप से उम्मीदें- अब जबकि विकास योजना 2041 का प्रारूप चर्चा में है, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या बढ़ती आबादी के अनुपात में पार्किंग और बस स्टैंडों के लिए भूमि आरक्षण में बढ़ोतरी की गई है? यदि पुरानी योजनाओं की तरह इस बार भी आरक्षित भूमियां केवल कागजों तक सीमित रहीं, तो शहर को जाम की समस्या से मुक्ति मिलना नामुमकिन होगा। नागरिकों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन वर्तमान कार्रवाई के साथ-साथ इन दीर्घकालिक योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी ध्यान देगा।

उपस्थिति- बैठक में नगर निगम सभापति श्री रवि जैन, आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी अपर कलेक्टर संजीव जैन सहित सभी एसडीएम और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री दुधारू पशु योजना ने बदली दूरस्थ आदिवासी गांव चरनभटा के भारिया हितग्राही राजेश भारती की तकदीर

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना ने छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव विकासखंड के दूरस्थ आदिवासी गांव चरनभटा के भारिया हितग्राही श्री राजेश भारती की जिंदगी में खुशहाली ला दी है। श्री राजेश भारती ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री दुधारू पशु योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में दो दुधारू मुर्रा भैंसें प्रदान की गई थीं। इन दोनों भैंसों से मिलने वाले दूध से वे पनीर और घी तैयार कर बाजार में बेचते हैं। इससे उन्हें हर महीने लगभग 12 हजार रुपये की आय हो रही है। अब तक वे करीब 1.25 लाख रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर चुके हैं। इस अतिरिक्त आय ने राजेश के जीवन को नई दिशा दी । उन्होंने अपनी कमाई से दो और भैंसें खरीदीं, साथ ही मुर्गी और बकरी पालन भी शुरू कर दिया है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के बाद उन्होंने अपने परिवार के लिए पक्का मकान भी बना लिया है।

वर्तमान में योजना के तहत मिली दोनों भैंसें गर्भित हैं। इनमें से एक का सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया गया है, जबकि दूसरी भैंस ने प्राकृतिक तरीके से गर्भ धारण किया है। इससे भविष्य में उनके पशुधन में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 कार्यक्रम अंतर्गत कार्यशाला संपन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज जल संचय जन भागीदारी 2.0 कार्यक्रम अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों के संबंध में भंवरताल गार्डन स्थित संस्कृति भवन में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जल संचय के विभिन्न उपायों के बारे में जानकारी देकर कहा गया कि पुराने जल संरचनाओं का चिन्हांकन कर उनका पुनर्जीवन करें। साथ ही नए जल संरचनाओं को बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। कार्यशाला में कहा गया कि जल ही जीवन है, अतः जिले की समस्त पंचायत एवं ग्रामों, वार्डों में जल स्त्रोंतों के पुनर्जीवन कर जल संरक्षण के सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करें। चेकडेम बनाने, स्टॉप डेम में गेट लगाना, तालाबों व कुओं की गाद निकालने, तालाबों की पिचिंग, बोरवेल व कुआं रीचार्ज, सूखे बोरवेल को फंक्शनल करनें, रूफ टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रकचर, शॉकपिट बनाने, कंटूरट्रेंच, नाला बंधान, परकोलेशन पोंड बनाने आदि के साथ जल संचय करने के अन्य नवाचारों के संबंध में भी जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जल संचय जन भागीदारी 2.0 और जल गंगा संवर्धन अभियान का एक ही उद्देश्य है कि जल संचय प्रभावी रूप से हो। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोंतों के संरक्षण व पुनर्जीवन के साथ जितने भी निर्माण कार्य हो रहे हैं उनमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के उपाय हों। सभी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में भी वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए किये जा रहे कार्यों को पोर्टल में एंट्री करायें। साथ ही तालाबों को राजस्व रिकार्ड में दर्ज करायें। जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के लिए शहरी क्षेत्र में नगर निगम कमिश्नर तथा ग्रामीण क्षेत्र में सीईओ जिला पंचायत इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करें। विभाग के निर्देशानुसार पीएचई द्वारा भी हेंडपम्पों में रिचार्ज पिट बनाये जाने व वाटर हार्वेस्टिंग कराये जाने के लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी, ताकि नल जल योजनाओं का सफल संचालन हो सके। उन्होंने समूह जल प्रदाय योजनाओं के संचालन के संबंध में नियमित मॉनिटरिंग के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी। बैठक में नगर निगम कश्मिनर श्री रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन की उपस्थिति में परिषद की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सेक्टर क्रमांक 4 के ग्राम चारगाँव में सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री जैन, समाजसेवी श्री श्यामलराव, डॉ. चंद्रकांत विश्वकर्मा, ग्राम उप सरपंच डॉ. राजकुमार चोरिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जिला समन्वयक श्री जैन ने बैठक को संबोधित करते हुए नवांकुर योजना के अंतर्गत प्रस्फुटन समितियों के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के विषय में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही नवांकुर आदर्श ग्राम में जन सूचना केन्द्र, वाचनालय, नर्सरी, नवांकुर सखी आदि विषयों पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

संस्था अध्यक्ष एवं समाजसेवी डॉ. चंद्रकांत विश्वकर्मा ने सेक्टर की सभी प्रस्फुटन समितियों के साथ ग्राम में बोर्ड लगाने, किए गए कार्यों को पोर्टल पर अपडेट करने, दस्तावेज संधारण करने तथा शासन की योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने जैसे विषयों पर चर्चा की। परामर्शदाता श्री श्यामलराव ने बैठक के दौरान सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सेक्टर में किए गए कार्यों की प्रशंसा की।

बैठक में सेक्टर 04 की प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य एवं परामर्शदाता श्री आशीष साहू, श्री विजय बहादुर वर्मा, श्रीमती डेमकुमारी, श्रीमती सुहाना वरकोरिया, श्री आदित्य मालवीय, श्री धनाराम माहोरे, श्री आनंद साहू, श्री स्नेहकुमार, श्रीमती कंचन बुनकर, श्री गजेंद्र विश्वकर्मा, श्री देवीसिंह चौरे सहित प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। बैठक के अंत में उप सरपंच डॉ.आर.के. चौरिया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संभावित पेयजल संकट के त्वरित निराकरण एवं पेयजल व्यवस्थाओं की सतत निगरानी के लिये लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड परासिया द्वारा खंड एवं उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं । खंड स्तर पर कंट्रोल रूम प्रभारी के रूप में सहायक मानचित्रकार श्री नितिन चतुर्वेदी (मोबाइल नं.-7889783894) एवं वाल्वमेन श्री विष्णु गढ़ेवाल (मोबाइल नं.- 8982853735) व मेशन ग्रेड-2 श्री मुन्नालाल चौहान (मोबाइल नं.- 8839233762) को नियुक्त किया गया है। प्राप्त शिकायतों को तत्काल कंट्रोल रूम पंजी में दर्ज कर संबंधित मैदानी अमले के माध्यम से समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक अपनी पेयजल संबंधी समस्याओं की सूचना सीधे संबंधित उपखंड के अधिकृत सहायक यंत्रियों को भी दे सकते हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत उपखंड परासिया के लिए सहायक यंत्री सुश्री प्राची घुर्रे (मोबाइल नं.- 8319256799) एवं विकासखंड परासिया के लिये उपयंत्री श्री गिरीश वस्त्राणें (मोबाइल नं.- 9174728974), उपयंत्री श्री हरिकांत वर्मा (मोबाइल नं.- 7697545953) व विकासखंड तामिया के लिये उपयंत्री श्री राजवीर तोमर (मोबाइल नं.- 9425849832), उपखंड जामई के लिए सहायक यंत्री श्री सोनल पारधी (मोबाइल नं.- 8319912793)।

सलसलाई पुलिस ने ट्रांसफार्मर ऑयल चोरों को पकड़ा दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

5 लाख के समान के साथ किया गिरफ्तार न्यायालय में किया पेश

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई पुलिस के द्वारा ट्रांसफार्मर से तेल चोरी के आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया जहां आरोपियों के पास से चोरी में इस्तेमाल वाहन और 141 लीटर ट्रांसफार्मर तेल सहित 5 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया गया है।

यह घटना 7 फरवरी 2026 की रात को ग्राम खरसोदा और चौकी मुरादाबाद के जंगलों में हुई थी। अज्ञात चोरों ने यहां लगे ट्रांसफार्मरों से तेल चुरा लिया था। इस संबंध में थाना सलसलाई में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 43/26 और 44/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामले दर्ज किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय और एसडीओपी अनुभाग बैरछा नागेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। थाना प्रभारी सलसलाई जनकसिंह रावत के नेतृत्व में इस टीम ने कार्रवाई की।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आमिर पिता शब्बीर होन (30 वर्ष, निवासी जुगनवाड़ी, शाजापुर) और असलम उर्फ बाबू पिता वली मोहम्मद (38 वर्ष, निवासी हराईपुरा, शाजापुर) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में भय्यु पिता महमुद पठान (निवासी नयापुरा, शाजापुर) और जमील (पप्पु) जलील खां (निवासी शाजापुर) अभी भी फरार हैं। ये आरोपी नागपुर, अजमेर और अन्य जिलों में फरारी काट रहे थे और शाजापुर आते ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 7 फरवरी की रात को ग्रामीणों ने चोरी में इस्तेमाल एक वाहन को जब्त कर लिया था, हालांकि आरोपी भागने में सफल रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की घटना में इस्तेमाल की गई जायलो कार (एमपी 09 बीसी 1453) और 141 लीटर ट्रांसफार्मर ऑयल जब्त किया है। जब्त किए गए ट्रांसफार्मर ऑयल की कीमत 16,920 रुपये और जायलो कार की कीमत 5 लाख रुपये बताई गई है। कुल जब्त सामान की कीमत 5 लाख 16 हजार 920 रुपये है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जनक सिंह रावत, एएसआई मनोज तिवारी, प्रधान आरक्षक कमलकिशोर, बलराम यादव, गोविंदसिंह, रामबहादुर, दिनेश नायक, सुरेश दांगी, देवीसिंह दांगी, अरविंद जाटव, नितेश सेन, अरुण वर्मा, कुलदीप भिलाला, दिनेश भाबर, संदीप यादव, धूपछाया और सुभाष दांगी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जहां 7 फरवरी की रात्रि में जब ट्रांसफॉर्म से तेल चोरी हो रहा था तो ग्रामीण अर्जुन मेवाड़ा ना देखा जहां उसने तत्काल गांव में फोन लगाया और वहां से पूर्व सरपंच तेज सिंह ज्ञान सिंह एन ग्रामीण जन वहां पहुंचे जहां तत्काल मौके से आप इयलो गाड़ी छोड़कर फरार हो गए तत्काल उन्होंने पुलिस को फोन लगाया मौके पर पुलिस पहुंची और लगातार ग्रामीणों का प्रयास इसी कड़ी को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों तक पहुंची।

हिंदी परीक्षा के साथ थमा MP बोर्ड 10वीं का दौर, छात्रों से मिलने पहुंचे पीडब्ल्यू एमपी बोर्ड वाला के 'शीनू भैया'

आष्टा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपीबीएसई) की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं का समापन 6 मार्च को हिंदी के पेपर के साथ हुआ। दोपहर 12 बजे परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षा केंद्रों के बाहर छात्रों के चेहरों पर राहत नज़र आयी। अधिकांश छात्रों ने पेपर को मध्यम स्तर का बताया। पीडब्ल्यू एमपी बोर्ड वाला के हिंदी शिक्षक उमेश परमार, जिन्हें छात्र प्यार से शीनू भैया कहते हैं, परीक्षा के बाद आष्टा के एक परीक्षा केंद्र पर छात्रों से मिलने पहुँचे। उन्होंने कहा, छात्रों ने इस साल बहुत मेहनत की है। यह देखकर खुशी होती है कि उनकी बोर्ड परीक्षाएं अच्छे अनुभव के साथ समाप्त हुईं। अपनी तरफ से शिक्षक भी उतनी ही मेहनत करते हैं। आज भी सुबह 4-30 बजे मैंने ऑनलाइन रिविज़न सेशन लिया. पिछले कुछ दिनों में मैराथन क्लासेज भी लीं और महत्वपूर्ण प्रश्नों को दोहराया। हिंदी के पेपर में जिन छात्रों ने साहित्य को ध्यान से पढ़ा और पिछले कुछ दिनों में अच्छे से रिविज़न किया, उन्हें प्रश्न आसान लगे होंगे। परीक्षा केंद्र के बाहर शिक्षक शीनू भैया से मिलने रुके एक छात्र ने कहा, हमने काफी मेहनत की थी। शीनू भैया की क्लासेस से बहुत मदद मिली। जो पढ़ाया था, वही आया। उन्होंने जो अतिरिक्त प्रश्न करवाए थे, उनमें से कुछ आज के पेपर में भी दिखाई दिए। परीक्षा समाप्त होने के साथ ही अब छात्र परिणाम की प्रतीक्षा करेंगे और अगली शैक्षणिक यात्रा की तैयारी शुरू करेंगे।

खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के फाग उत्सव में श्याम प्रेमियों पर चढ़ा श्याम भक्ति का रंग

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया पांच दिवसीय रंगों के महापर्व होली का उल्लास अकोदिया नगर में छाया हुआ है गुरुवार को रंगो एवं श्रद्धा भक्ति से सरोवर आयोजन में रंगो एवं श्याम भजनों की ऐसी अमृत वर्षा हुई कि पूरा आयोजन स्थल श्याम मय हो गया अवसर था श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट महिला मंडल अकोदिया के तत्वाधान में आयोजित श्री श्याम फागउत्सव का शाम 4 बजे से प्रारंभ हुए फाग उत्सव में बाबा का दरबार सजाकर अखंड ज्योत प्रज्वलित कर छप्पन भोग अर्पित किया गया एवं निशान पूजन कर बाबा को रंग गुलाल चंदन अर्पित कर होली खेली गई महिला मंडल की श्याम प्रेमियों ने फाग गीतों एवं श्याम भजनों पर जमकर रंग गुलाल उड़ाया श्रद्धा भक्ति से सरोवर इस आयोजन में श्याम प्रेमियों पर श्याम भक्ति का ऐसा रंग चढ़ा की पूरा आयोजन स्थल श्री श्याम के जयकारों से गूंज उठा कार्यक्रम की शुरुआत ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत महिला मंडल नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरासिया जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी ने दीप प्रज्वलित कर की अग्रवाल एवं गहलोत ने उपस्थित सभी श्याम प्रेमियों को होली पर्व की बधाई देते हुए कहा कि स्नेह के रंग आपस में समाजस्य व मिठास घोलते हैं महाआरती के पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया इस अवसर पर महिला मंडल प्रदेश अध्यक्ष रचना शर्मा जिला अध्यक्ष बिंदु सोनी नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरासिया मनीषा परमार हनी गुप्ता राधा अग्रवाल सुगन पाटीदार प्रेमलता पेजवाल भावना शर्मा टीना राठौर किरण राठौर हर्षिता जायसवाल मुस्कान खत्री सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

उन्हेल नागदा खाचरोद बीएमओ को किया कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने किया निलंबित

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ब्लॉक मेडिकल अधिकारी बिना सूचना के अनुपस्थित रहे बैठक में कलेक्टर साहब जैसी महत्वपूर्ण बैठक में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी अनुपस्थित रह सकते हैं तो सहज ही सोचा जा सकता है की स्वास्थ्य केंद्रों का क्या होता होगा बद से बत्तर स्थिति स्वास्थ्य सेवा की हो गई है ग्रामीण क्षेत्रों में।

सरसों उत्पादक किसान भावांतर योजना का लाभ लें

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा सरसों का समर्थन मूल्य 6200 रु प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है भावांतर योजना अंतर्गत ई- उपार्जन पोर्टल पर 20 मार्च तक सरसों फसल के लिए पंजीयन कराया जा सकता है। उप संचालक कृषि श्री नितेश यादव ने बताया कि सरसों का भावांतर योजना अंतर्गत पंजीयन के लिए गेंहू, चना के पंजीयन केंद्र के समान ही 2 पंजीयन केंद्र निर्धारित किये गए है किसान भाई अपनी नजदीकी समिति कार्यालय में जाकर पंजीयन करा सकते है उन्होंने बताया कि भावांतर योजना अंतर्गत सरसों फसल विक्रय हेतु किसानो को निम्नानुसार लाभ प्रदाय किया जायेगा । यदि अधिसूचित मंडी में एफ ए क्यू मानक के अनुरूप सरसों का बिक्री मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम हो, परंतु प्रदेश सरकार द्वारा घोषित औसत थोक मूल्य अर्थात मॉडल प्राइस से अधिक हो, तो किसान को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य और वास्तविक बिक्री मूल्य के अंतर की राशि प्रदाय की जाएगी। उपसंचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि यदि अधिसूचित मंडी में सरसों का एफ ए क्यू बिक्री मूल्य प्रदेश सरकार द्वारा घोषित औसत थोक मूल्य अर्थात मॉडल प्राइस से कम हो, तो भी किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य और घोषित औसत थोक मूल्य के अंतर की राशि ही प्रदाय की जाएगी। उप संचालक कृषि श्री यादव ने जिले के सभी किसान भाइयो से अपील की है कि वे अपनी सरसों फसल का पंजीयन अवश्य करा लें ताकि सरकार की भावान्तर योजना का लाभ ले सकें।

विश्व श्रवण दिवस के अवसर जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित संगोष्ठी में सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव और डॉ सुधीर श्रीवास्तव द्वारा नागरिकों को कान से संबंधित बीमारियों की रोकथाम एवं देखभाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग छात्राओं द्वारा कान की आकृति बनाकर लोगों को श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थेरेपिस्ट श्री राजकुमार ने जागरूक करते हुए बताया कि यदि 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों में सुनने की समस्या की शीघ्र पहचान हो जाए तो कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी संभव है, जिसके बाद स्पीच थेरेपी के माध्यम से बच्चों के विकास में सहायता मिलती है। उन्होंने बताया कि नाक, कान, गला विशेषज्ञ की सलाह पर पीटीए की जांच जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में की जाती है।

खनिज प्रतिष्ठान मद से जिले में जल संरक्षण के कार्यों को हाथ में लिया जायेगा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खनिज प्रतिष्ठान मद से जिले में जल संरक्षण के कार्यों को हाथ में लिया जायेगा। इसके साथ ही शासकीय स्कूलों के जीर्णोद्धार, बड़े कस्बों में सोलर पैनल के माध्यम से स्ट्रीट लाइट के साथ ही अस्पतालों में पेयजल प्रबंधन के लिये आरओ सिस्टम लगाने का कार्य किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में खनिज प्रतिष्ठान मद से जिले में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आगामी विकास कार्यों के संबंध में जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तार से समीक्षा की गई।

खनिज प्रतिष्ठान मद से ग्वालियर जिले में वर्ष 2016-17 से वर्ष 2025-26 तक कुल 29 करोड़ 27 लाख 12 हजार रुपए से अधिक की राशि राजस्व के रूप में प्राप्त हुई है। इनमें मुख्य खनिज से 2 करोड़ 72 लाख 36 हजार एवं गौंण खनिज से 26 करोड़ 16 लाख 40 हजार रुपए से अधिक राशि प्राप्त हुई है। जिले में खनिज प्रतिष्ठान मद से प्राप्त राशि से राज्य स्तर से एवं जिला स्तर से कार्य स्वीकृत किए गए हैं। स्वीकृत कार्यों को तत्परता से पूर्ण करने की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, विधायक ग्वालियर पूर्व डॉ. सतीश सिकरवार, विधायक ग्वालियर ग्रामीण श्री साहब सिंह गुर्जर, डबरा विधायक श्री सुरेश राजे, सांसद प्रतिनिधि श्री विजय दुबे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया है कि खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृत किए गए सभी कार्य एवं वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों की सूची समिति के सभी प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही जो निर्माण कार्य प्रचलन में है, उसका कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

उन्होंने समिति के सदस्यों से आग्रह किया है कि जिले में जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ लिया जाए, ताकि शासन की मंशा अनुसार जिले में जल संरक्षण अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिन ग्राम पंचायतों में कार्य स्वीकृत हैं और कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है वहाँ के सरपंचों को भी नोटिस जारी किए जाएं।

कलेक्टर ने किया भैरूंदा एवं रेहटी तहसील के अनेक विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भैरूंदा एवं रेहटी तहसील में चल रहे स्कूल भवन निर्माण, जल जीवन मिशन परियोजना, कृषि उपज मंडी सहित अनेक विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने रेहटी के तहसील कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जनगणना कार्य का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भैरूंदा एसडीएम श्री सुधीर कुशवाह, तहसीलदार श्री सौरभ शर्मा, श्री युग्विजय यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. भेरूंदा तहसील के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचे, जहां उन्होंने पटवारियों और किसानों से संवाद कर उन्हें नरवाई नहीं जलाने के लिए जागरूक किया। उन्होंने किसानों को समझाया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तथा वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे नरवाई जलाने के बजाय इसके वैज्ञानिक एवं वैकल्पिक तरीकों को अपनाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि किसानों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव में अभियान चलाया जाए और नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखी जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. लाडकुई पहुंचे, जहां उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजना के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के सभी कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किए जाएं और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की महत्वपूर्ण योजना है और इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

इसके बाद कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने रेहटी में निर्माणाधीन शासकीय सांदीपनी स्कूल भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए और निर्माण की गुणवत्ता से किसी प्रकार की कोई कमी न हो।

इसके साथ ही उन्होंने रेहटी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा अस्पताल में साफ-सफाई और आवश्यक व्यवस्थाओं का ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने ग्राम राला, आगरा और सतराना पहुंचकर जनगणना कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक, पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा कोटवार द्वारा जनगणना के तहत किए जा रहे मकान सूचीकरण कार्य की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता, सटीकता और पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मकान और परिवार की जानकारी सही तरीके से दर्ज की जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि न होने पाए। उल्लेखनीय है कि जनगणना के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम राला में निर्माणाधीन कृषि मंडी का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. बुधनी स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि इस कॉलेज का लगभग 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बुधनी तहसील कार्यालय का भी निरीक्षण किया और जनगणना कार्य एवं राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत शिविरों का आयोजन जारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में भी विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य हासिल करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान के तहत व्यापक स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित कराया जा रहा है।

साथ ही स्थानीय समस्याओं का निराकरण भी हो रहा है। अभियान के द्वितीय चरण में विकासखंड मुरार के अंतर्गत गत 16 फरवरी से अब तक 65 क्लस्टर स्तरीय शिविर लगाए गए।

द्वितीय चरण के शिविर 16 मार्च तक जारी रहेंगे। जनपद पंचायत मुरार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन शिविरों में कुल 6 हजार 637 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 5 हजार 970 आवेदन स्वीकार किए गए। साथ ही शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रचलन में है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार 6 मार्च को ग्राम पंचायत जग्गूपुरा में लगाए गए शिविर में 101 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से 64 आवेदन मौके पर ही स्वीकृत किए गए। संकल्प से समाधान अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों के नोडल अधिकारी का दायित्व तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, बीईओ जोनल अधिकारी इत्यादि को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। अभियान के तृतीय चरण में 16 से 26 मार्च तक विकासखण्ड स्तर पर और चतुर्थ चरण में 26 मार्च से 31 मार्च के बीच जिला स्तर पर शिविर लगाए जाने हैं। शिविर में भाग लेने के लिए पोर्टल पर आम नागरिक शिविर के पूर्व अपनी सुविधानुसार शिविर रोस्टर से शिविर का चयन कर अपना आवेदन पोर्टल पर दर्ज कर पंजीयन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के संबंध में दिए निर्देश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल पर्यावरण नहीं, विकास का आधार भी है। यह भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का भी एक प्रयास है। अभियान अंतर्गत संचालित हर गतिविधि में राज्य से ग्राम स्तर तक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। भू-जल स्त्रोतों के दोहन से गिरते भू-जल स्तर, प्राचीन जल संग्रहण संरचनाओं के क्षरण और नदियों के कम होते प्रवाह का प्रभाव सभी पर पड़ रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रदेश में पिछले जल गंगा संवर्धन अभियान के सुखद परिणाम प्राप्त हुए हैं। वर्ष-2026 के अभियान में भी हमें जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को प्रभावी और परिणामूलक बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में गुरुवार को आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री अशोक बर्णवाल, श्री संजय दुबे, श्री नीरज मंडलोई, श्रीमती दीपाली रस्तोगी, श्री शिव शेखर शुक्ला एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। समस्त जिला कलेक्टर्स वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में वर्ष 2025 के जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रमुख उपलब्धियों और वर्ष-2026 की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के., जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव और जिल वन मंडल अधिकारी श्रीमती अर्चना पटेल सहित अन्य अधिकारी विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरचनाओं के जलग्रहण क्षेत्र पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऐसी गतिविधियों पर सतत् रूप से निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश से निकलने वाली नदियों के उद्गम स्थलों को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाएगा और उनके आस-पास सघन पौधरोपण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में व्यक्तिगत पहल तथा सामुदायिक सहभागिता से प्याऊ लगाने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने प्लास्टिक की बोतल के उपयोग को हतोत्साहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सार्वजनिक स्थलों पर सुगमता से स्वच्छ शीतल पेयजल उपलब्ध कराने को सामाजिक दायित्व के रूप में समाज में स्थापित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिन जिलों में बेहतर नवाचार हुए हैं, वे अपने यह प्रयास अन्य जिलों से साझा करें तथा जिले परस्पर इस तरह के नवाचारों का आदान-प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रभारी मंत्री जिला स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को नेतृत्व प्रदान करें। सांसद, विधायक, पंचायत, नगरीय निकाय के सभी प्रतिनिधि सक्रियता से अभियान में सहभागिता करें। मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे स्वयंसेवी संस्थाओं और सीएसआर संगठनों को भी जनसहभागिता संबंधी गतिविधियों में जोड़ा जाए। जिला कलेक्टर नोडल अधिकारी के रूप में कार्यों के क्रियान्वयन की प्रभावी मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नोडल और नगरीय प्रशासन एवं विकास सह नोडल विभाग होगा। राजस्व, जल संसाधन, उद्यानिकी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नर्मदा घाटी विकास, वन, जन अभियान परिषद, उद्योग एवं एमएसएमई, पर्यावरण, संस्कृत, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग सहभागिता करेंगे। बैठक में अभियान के अंतर्गत वर्ष-2025 की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण भी किया गया।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना अंतर्गत हितग्राही को सहायता राशि स्वीकृत

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के अंतर्गत जिले की हितग्राही श्रीमती सपना पाटीदार को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कलेक्टर के अनुमोदन उपरांत ग्राम रामगढ़ निवासी श्रीमती सपना पाटीदार, पति श्री रमेश पाटीदार को योजना के निर्धारित मापदंडों की पूर्ति करने पर 2,00,000 (दो लाख रुपये) की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा उक्त सहायता राशि नियमानुसार हितग्राही के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य विधवा, परित्यक्ता एवं तलाकशुदा महिलाओं के पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा मिलती है और वे सम्मानपूर्वक अपने जीवन की नई शुरुआत कर सकती हैं। उन्होंने पात्र हितग्राहियों से शासन की इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ लेने की अपील की।

योजना की पात्रता के अंतर्गत कल्याणी म.प्र. की मूल निवासी हो। कल्याणी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष व उससे अधिक हो। संबंधी आयु प्रमाण पत्र। कल्याणी शासकीय अधिकारी/कर्मचारी न हो। कल्याणी परिवार पेंशन प्राप्त न कर रही हो। आयकर दाता न हो। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र। पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र। दम्पत्ति का वैवाहिक फोटो व आवेदक/आवेदिका का पासपोर्ट साइज़ फोटो एवं बैंक खाता।

पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत खो-खो, कुश्ती एवं कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक दिवसीय खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्थानीय पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित इस प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खंडवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार राय, वन मंडलाधिकारी श्री राकेश डामोर, जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा, पंधाना की जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा काले भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री सेवादास पटेल, श्री धर्मेंद्र बजाज सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री नीरज पाराशर ने किया।

महापौर श्रीमती यादव ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया तथा सांसद खेलकूद प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमो की शुरुआत कर ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। इसी क्रम में पारंपरिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि निमाड़ क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। कुश्ती में बहुत से खिलाड़ियों ने निमाड़ क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वानखेड़े ने इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में शामिल होने पर शुभकामनाएं दी और सभी से खेल भावना के साथ इस प्रतियोगिता में खेलने की अपील की।

पेयजल समस्या निवारण हेतु कन्ट्रोल रूम गठित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल संकट की स्थिति से निपटने हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल समस्या निवारण हेतु कन्ट्रोल रूम का गठन किया गया हैं। कन्ट्रोल रूम प्रातः 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक कार्य करेगा। कन्ट्रोल रूम के प्रभारी श्रीमती चसली बर्डे जिला सलाहकार बड़वानी रहेंगे। पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला मुख्यालय पर कार्यरत कन्ट्रोल रूम में प्रथम षिफ्ट श्री रोहन अवासे - दूरभाष पर मोबाइल नम्बर 9589016662 तथा द्वितीय षिफ्ट में श्री धर्मेन्द्रसिह चौहान- (दोपहरः 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक) मो.नं. 9753304678 कार्यरत रहेंगे। उन्होने बताया कि जनपद स्तर पर भी पेयजल समस्या निवारण हेतु कन्ट्रोल रूम बनाया गया है। विकासखण्ड बड़वानी के लिये श्री नवलसिंह ब्राम्हणे उपयंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9977188432 तथा श्री अनिल चौधरी विकासखण्ड समन्वयक मो.न. 9179276283, विकासखण्ड पाटी के लिए श्री नवलसिंह ब्राहमणे उपयंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9977188432 तथा श्री विजयसिंह पटेल विकासखण्ड समन्वयक मोबाइल नम्बर 7869887292, राजपुर के लिए श्री लोकेष सोलंकी उपयंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9893888796 तथा श्रीमति सरिता चौहान विकासखण्ड समन्वयक मोबाइल नम्बर 9893502509, विकासखण्ड ठीकरी के लिए विकासखण्ड ठीकरी श्री महेष कनास उपयंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9893716245 तथा श्रीमति तेजल यादव विकासखण्ड समन्वयक मोबाइल नम्बर 9691775593, सेंधवा उपखण्ड स्तर पर श्री कान्हा आस्के मोबाइल नम्बर 9806463806 तथा उपखण्ड सेंधवा के लिये श्री देवेन्द्र चौहान सहायक यंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9630781751, विकासखण्ड सेधंवा श्रीमती रोशनी सेनानी उपयंत्री मोबाइल नम्बर 7748844074 एवं श्री भेरूसिंह उपयंत्री विकासखण्ड मो.नं. 7024525931, विकासखण्ड निवाली श्रीमती रोशनी सेनानी उपयंत्री मोबाइल नम्बर 7748844074 तथा कु दीक्षा गुप्ता विकासखण्ड समन्वयक मोबाइल नम्बर 9009777730, विकासखण्ड पानसेमल श्री संदीप मंगरोलिया उपयंत्री विकासखण्ड मोबाइल नम्बर 9589022402 तथा श्रीमति क्रांति देषले विकासखण्ड समन्वयक मोबाइल नम्बर 9685352827 पर ग्राम पंचायतों में होने वाली पेयजल समस्या से संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

एचपीवी टीकाकरण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने ली बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 फरवरी 2026 को अजमेर से की गई। जिसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर नेहा मीना द्वारा संबंधित विभागों की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों में से एक है, जिसकी रोकथाम समय पर टीकाकरण के माध्यम से संभव है। अभियान के तहत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जाएगा। साथ ही अभियान प्रारंभ होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाली बालिकाएँ भी इस टीकाकरण के लिए पात्र होंगी।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजातीय कार्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं समुदाय स्तर पर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने तथा अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र बालिकाएँ इस अभियान का लाभ प्राप्त कर सकें।

बैठक में बताया गया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार 0.5 मि.ली. की एकल खुराक इंट्रामस्कुलर इंजेक्शन के माध्यम से दी जाएगी। टीकाकरण केवल शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों जैसे झाबुआ जिला अस्पताल सहित कल्याणपुरा, मेघनगर, पारा, पेटलावद, रामा, राणापुर एवं थांदला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। टीकाकरण के पश्चात प्रत्येक बालिका को 30 मिनट तक चिकित्सकीय अवलोकन में रखा जाएगा। अभियान की अवधि में प्रतिदिन टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. बघेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर एस बघेल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर एस बामनिया एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नीति आयोग की डिप्टी सेक्रेटरी श्रीमती नौटियाल ने आंगनबाड़ी, अस्पताल और एनआरसी का निरीक्षण किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के नीति आयोग की डिप्टी सेक्रेटरी श्रीमती नेहा नौटियाल ने शुक्रवार को खंडवा जिले का दौरा कर आंगनबाड़ी, अस्पताल और पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के आर कानूडे ने बताया कि श्रीमती नौटियाल ने निरीक्षण के दौरान संपूर्णता अभियान-2.0 के अंतर्गत आकांक्षी जिला खंडवा एवं आकांक्षी ब्लॉक छैगावमाखन में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग के संबंध में शासन से प्राप्त इंडिकेटर के लिए निर्धारित लक्ष्य की प्रगति के संबंध में मैदानी स्तर पर जानकारी ली। उन्होंने नीति आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि से डाईट कॉलेज में निर्मित आईटी लैब का निरीक्षण भी किया।

उपसचिव श्रीमती नौटियाल ने आंगनबाड़ी केंद्र दौंदवाड़ा में आंगनबाड़ी का निरीक्षण कर बच्चों की हाइट और वजन के मापन के जानकारी ली और साथ ही बच्चों के कुपोषण के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र छैगांवमाखन का भी निरीक्षण किया एवं हितग्राहियों के परिजनों से चर्चा की। श्रीमती नौटियाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छैगांवमाखन का भी निरीक्षण किया और वहां संपूर्णता अभियान के अंतर्गत आयोजित टीबी शिविर की भी जानकारी ली।

इसके बाद श्रीमती नौटियाल ने देशगांव की शासकीय माध्यमिक शाला का भी निरीक्षण किया एवं बच्चों से चर्चा कर स्कूल की शिक्षण व्यवस्था, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। श्रीमती नौटियाल ने बच्चों से चर्चा कर शौच के बाद साबुन से हाथ धोने और व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में सीख दी।

उपसचिव श्रीमती नौटियाल ने जिले में संपूर्णता संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत प्राप्त इंडिकेटर के संबंध में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने भ्रमण के पश्चात कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ नागार्जुन बी. गौड़ा से भेंट कर नीति आयोग के सहयोग से जिले में संचालित विकास कार्यों एवं संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की जानकारी भी ली।

सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान सीएचसी राणापुर में

सीएमएचओ डॉ. बी.एस. बघेल ने किया निरीक्षण, परिजनों से टीकाकरण कराने की अपील

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बालिकाओं को सरवाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी (॥क्क्ष्) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को जिले की चिन्हित शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है।

इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राणापुर में संचालित एचपीवी टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकरण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा उपस्थित बालिकाओं एवं उनके परिजनों से संवाद कर उन्हें एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी दी।

डॉ. बघेल ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को भविष्य में होने वाले सरवाइकल कैंसर से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि यह कैंसर विश्व में महिलाओं में होने वाले कैंसरों में प्रमुख है, इसलिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में यह टीका निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी अभिभावक अपनी 14 से 15 वर्ष आयु की बालिकाओं को नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि वे इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सकें।

निरीक्षण के दौरान बीएमओ डॉ. ऊषा गेहलोत, डॉ. जी.एस. चौहान, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आर.आर. खन्ना तथा सीपीएचसी सलाहकार कैलाश चरपोटा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रस्ट द्वारा मनोरोगियों का पारिवारिक पुनर्वास सेवा का अनुपम उदाहरण पुलिस अधीक्षक शुक्ला

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी भी सेवा कार्य की शुरुआत प्रारंभिक तौर पर एकल प्रयास के कारण थोड़ी कठिन होती है किंतु जैसे-जैसे हमारे सेवा कार्य परिणाम में परिवर्तित होते हैं तो अन्य सेवाभावी लोग भी जुड़कर हमें संबल प्रदान करते हैं उक्त बातें आशा ग्राम ट्रस्ट द्वारा संचालित निराश्रित मनोरोगियों के आशा आश्रय गृह से तीन मनोरोगियों का पारिवारिक पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ला ने कहीं। उन्होंने कहा ट्रस्ट के सेवा कार्यों में सहभागी होना हमारे लिए भी सौभाग्य की बात है तथा जनहित के सेवा पुनर्वास कार्यों में पुलिस विभाग सदैव सहयोगी रहेगा। आज तीन मनोरोगी जिनमें ग्राम उगत जिला नवसारी गुजरात के गुणवंत दूसरा किशनवाडी बड़ौदा गुजरात के विजय तथा तीसरा मनोरोगी बड़वानी जिले के दवाना कालू सिंह जो की वर्षो से परिवार से बिछड़ कर निराश्रित जीवन जी रहे थे जिन्हें टीम आशा आश्रय गृह के द्वारा रेस्क्यू कर आशाग्राम लाया गया जहां समुचित उपचार मनोरोग विशेषज्ञ डॉ राहुल पाटीदार के मार्गदर्शन में किया गया। तथा परामर्श से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर पता लगने पर आज तीनों का पारिवारिक पुनर्वास किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर रोटरी गवर्नर श्री सुशील मल्होत्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती सोनाली शर्मा, पुलिस थाना प्रभारी श्री बलजीत सिंह आदी।

अधिकार, न्याय और कार्यवाही से ही होगा वास्तविक महिला सशक्तिकरण : सुश्री भूरिया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा, न्याय की सुनिश्चितता और ठोस कार्यवाही ही महिला सशक्तिकरण की वास्तविक आधारशिला है। उन्होंने महिला दिवस, होली और रंगपंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत करने का अवसर है।

कार्यक्रम में न्याय चौपाल, मानसिक स्वास्थ्य तथा साइबर वेलबीइंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। सत्र में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और जागरूकता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री सुश्री भूरिया ने महिला आयोग और सहयोगी संस्थाओं द्वारा ÷महिलाओं और बालिकाओं के लिए अधिकार, न्याय और कार्यवाही÷ विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समाज की अशासकीय संस्थाएं और जागरूक नागरिक छोटे-छोटे प्रयासों से महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत बनाते हैं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान ने बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक सोच को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पंचायती राज और शहरी निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण तथा सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही मिशन शक्ति के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, महिला पुलिस यूनिट और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसे प्रयास महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को मजबूत बना रहे हैं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का विषय नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

गोबर आधारित उत्पादों से गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल कलेक्टर ने गौशाला संचालकों की बैठक लेकर की चर्चा

इंदौर स्थित श्री अहिल्या माता गौशाला में कराया जाएगा एक्सपोजर विजीट

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा घोषित कृषि कल्याण वर्ष 2026 के उद्देश्य के अनुरूप गौसंवर्धन तथा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में जिले में संचालित समस्त शासकीय एवं निजी गौशालाओं के उत्थान, विकास तथा उनके संचालन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने, गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देने तथा नवीन तकनीकों के उपयोग पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि गौशालाएं केवल गौवंश संरक्षण का केंद्र ही नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्व-रोजगार का सशक्त माध्यम भी बन सकती हैं। इसके लिए गौशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाए, जिससे गौशालाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हों।

बैठक में अवगत कराया गया कि जिला प्रशासन द्वारा इंदौर स्थित श्री अहिल्या माता गौशाला से समन्वय स्थापित किया गया है। इस गौशाला में गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण तथा गौशालाओं के सफल संचालन के कई नवाचार किए जा रहे हैं। जिले के गौशाला संचालकों को वहां एक्सपोजर विजिट पर भेजा जाएगा, जिससे वे इन नवाचारों को समझकर अपने-अपने क्षेत्रों में लागू कर सकें।

कलेक्टर ने गौशाला संचालकों से कहा कि गौशालाओं में गोबर से बनने वाले उत्पाद जैसे गौकाष्ठ, कंडा, गोनाइल, जैविक खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट का बड़े पैमाने पर निर्माण किया जाए। इन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है तथा पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी यह अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि गौकाष्ठ और कंडे जैसे उत्पादों का उपयोग धार्मिक कार्यों एवं अंतिम संस्कार में लकड़ी के विकल्प के रूप में किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि गौशालाओं में तैयार होने वाली जैविक खाद और वर्मी कम्पोस्ट को किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग के माध्यम से समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि जैविक खेती को बढ़ावा मिल सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र)

क्रमांक /205/SBM/2026 देवास, दिनांक:-27/02/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयाविधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMDराशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_486264_1 27/02/2026	एजेंसी इनपेनलमेंट द्वारा प्रचार-प्रसार कार्य हेतु मल्टिकलर वॉल पेटिंग/स्लोगन लेखन विथ ऑईल पेंट कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा प्रपत्र।	12 माह 10,00,000/-	2000/- 30000/-	23/03/2026 06:00 pm

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

नगर निगम बजट- 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रस्ताव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट पर चर्चा के लिए 10 मार्च को महापौर परिषद (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में बजट से संबंधित सभी विभागों के अधिकारी आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे और विभिन्न योजनाओं पर चर्चा होगी।

उज्जैन नगर निगम प्रशासन ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए करीब 5073 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया है। यह बजट चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के 4782 करोड़ रुपए के बजट से अधिक है। निगम प्रशासन का कहना है कि आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए बजट में शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रस्तावित बजट में सड़क चौड़ीकरण, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, ट्रैफिक मैनेजमेंट, पार्किंग व्यवस्था और शहरी सौंदर्यीकरण से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं। अधिकारियों का मानना है कि इन कार्यों से आने वाले वर्षों में शहर की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी और सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के लिए आधारभूत सुविधाएं मजबूत हो सकेंगी। हालांकि दूसरी ओर निगम की वास्तविक वित्तीय स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। प्रस्तावित बजट में निगम की आय की तुलना में खर्च अधिक दिखाई दे रहा है। राजस्व संग्रह के कई लक्ष्य अब तक पूरे नहीं हो पाए हैं, जिससे वित्तीय संतुलन बनाना चुनौती बनता जा रहा है। इसके पीछे कारण यह है कि उज्जैन नगर निगम की आय का सबसे बड़ा स्रोत संपत्ति कर है, लेकिन इस क्षेत्र में भी निगम की स्थिति उम्मीद के मुताबिक नहीं है। शहर में कुल 1 लाख 37 हजार 742 संपत्तियां दर्ज हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निगम ने 155 करोड़ रुपए संपत्ति कर वसूली का लक्ष्य तय किया था, लेकिन अब तक केवल 40 करोड़ रुपए ही जमा हो पाए हैं। अब तक करीब 60 हजार करदाताओं ने ही संपत्ति कर का भुगतान किया है, जबकि लगभग 80 हजार करदाताओं पर अभी भी बकाया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में बकाया वसूली के लिए अभियान तेज किया जाएगा, ताकि निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सके।

एमआईसी की बैठक में बजट के विभिन्न प्रावधानों के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने और खर्चों के संतुलन को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है।

गेहूं खरीदी पर 40 रुपए बोनस, पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 मार्च

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन को लेकर किसानों को बड़ी राहत दी है। किसानों को पंजीयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके, इसके लिए सरकार ने पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 10 मार्च कर दी है। इसके साथ ही गेहूं खरीदी पर 40 रुपए प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस देने का निर्णय भी लिया गया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की सुविधा और हित को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इससे अधिक से अधिक किसान पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मंत्री राजपूत ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु प्रदेश में अब तक 12 लाख 4 हजार 708 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। विभिन्न जिलों में भी बड़ी संख्या में किसान पंजीयन करा रहे हैं। इनमें उज्जैन जिले में 95 हजार 821, इंदौर में 32 हजार 837, देवास में 57 हजार 21, रायसेन में 51 हजार 85, नर्मदापुरम में 53 हजार 86, भोपाल में 27 हजार 663, सतना में 31 हजार 670 सहित अन्य जिलों के किसान शामिल हैं। उज्जैन जिले में भी किसानों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। यहां अब तक 1800 से अधिक किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराया है और अंतिम तिथि बढ़ने के बाद इस संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों, तहसील कार्यालयों तथा सहकारी समितियों और सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित केंद्रों पर की है। इसके अलावा सशुल्क पंजीयन की व्यवस्था एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजी साइबर कैफे पर भी उपलब्ध कराई गई है।

जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट की अध्यक्षता में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निर्माण कार्यों की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट की अध?यक्षता में शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख?य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा सर्वप्रथम निर्माण शाखा और अन्य योजना की समीक्षा की गई। वीबी जी राम जी योजना अंतर्गत वार्षिक लेबर बजट पूर्ति, वर्तमान में नियोजित मजदूर नियोजन, गौशाला, एक बगिया मां के नाम, लंबित भुगतान संबंधी समीक्षा की गई। इसके उपरांत निर्माण कार्यों की समीक्षा कर 15 वां वित्त, आंगनवाडी भवन, पंचायत भवन , शौचालय निर्माण , विधायक निधि के कार्य आदि की समीक्षा की गई। बैठक में साथ ही आदिम जाति विभाग, सर्व शिक्षा विभाग एवं सांख्यिकी विभाग के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

जिला चिकित्सालय में विश्व श्रवण दिवस मनाया गया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर (चरक भवन) शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कान से संबंधित बीमारियों से ग्रसित समस्त आयु वर्ग के हितग्राहियों की नाक, कान, गला सर्जन, डॉ. अंशु वर्मा एवं अन्य नाक, कान, गला चिकित्सकों / स्टाफ द्वारा जाँच एवं उपचार दिया गया। शिविर में आरबीएसके टीम और डीईआईसी स्टाफ द्वारा बच्चों को शिविर में भेजा गया तथा जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र प्रबंधक श्रीमती विनिशा सोलंकी एवं स्टाफ द्वारा शिविर में सहयोग प्रदान किया गया। शुक्रवार को शिविर में कुल 56 हितग्राहियों की जाँच / उपचार प्रदाय किया गया। इनमें 18 से ऊपर के हितग्राहियों को दवाई देकर डीईआईसी रेफर किया गया। साथ ही 13 बच्चों को मेडिसिन, दो को सीआई और एक का मस्तिष्क-स्तंभ उद्दीप्त प्रतिक्रिया ऑडियोमेट्री टेस?ट किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. संगीता पलसानिया द्वारा बताया गया कि यदि भविष्य में श्रवण रोग से संबंधित (0-18) बच्चों में कोई समस्या हो तो जिले में संचालित शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र चरक भवन छठी मंजिल पर संपर्क करें।

महाकाल मंदिर के सामने सगी बेटी पर पिता का हमला, चाकू से किए कई वार

शादी के लिए दबाव बना रहा था पिता, मना करने पर वारदात, गंभीर घायल युवती का जिला अस्पताल में इलाज, आरोपी फरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के सामने शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां एक पिता ने अपनी ही सगी बेटी पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस वारदात से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत साहस दिखाते हुए युवती को बचाया और जिला अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल घायल युवती का उपचार जारी है, जबकि आरोपी पिता मौके से फरार हो गया।

घटना शुक्रवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर के गेट नंबर-1 के सामने महाकाल घाटी की ओर हुई। यहां 18 वर्षीय वर्षा रुद्राक्ष की माला और अन्य धार्मिक सामग्री बेचती है। बताया जा रहा है कि उसी समय उसका पिता वरसना वहां पहुंचा और अचानक चाकू निकालकर बेटी पर हमला कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जब तक लोग पूरा मामला समझ पाते, तब तक आरोपी ने वर्षा की पीठ और जांघ पर चाकू से कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल वर्षा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी। घटना देखकर आसपास के लोग तुरंत हरकत में आए और घायल युवती को जिला अस्पताल पहुंचाया। इस बीच आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

मां के साथ रहती है युवती- घायल युवती पारदी समुदाय से है और अपनी मां माना बाई के साथ महाकाल क्षेत्र में धार्मिक सामग्री बेचकर गुजर-बसर करती है। दोनों कार्तिक मेला ग्राउंड में बने डेरे में रहते हैं।

माना बाई के अनुसार, आरोपी वरसना करीब 16 साल पहले उन्हें छोड़कर चला गया था। इसके बाद से मां-बेटी ही साथ रह रही हैं। अब जब बेटी बड़ी हो गई तो वह उसे अपने साथ ले जाने और शादी कराने के लिए दबाव बना रहा था।

पांच लाख में शादी तय करने का आरोप- जिला अस्पताल में माना बाई ने बताया कि वरसना ने बेटी की शादी पांच लाख रुपये में तय कर दी थी। रुपयों के लालच में वह लगातार बेटी पर शादी के लिए दबाव बना रहा था।

मां-बेटी इस शादी के लिए तैयार नहीं थीं। कई बार समझाने के बाद भी जब उन्होंने साफ इंकार कर दिया तो आरोपी गुस्से में आ गया और शुक्रवार सुबह बेटी पर चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस बोली, जल्द गिरफ्तारी होगी- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि पारदी परिवार के बीच आपसी विवाद के चलते यह घटना हुई है। पिता ने बेटी पर चाकू से हमला किया है। आरोपी फरार है, लेकिन उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेत में खड़ी गेहूँ की फसल.. कटाई के लिए हार्वेस्टर की मांग बढ़ने लगी

उज्जैन में 3 लाख हेक्टेयर के दायरे में किसानों ने बोई है गेहूँ, चने और अन्य किस्म की फसलें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेतों में गेहूं, चने और अन्य फसल तैयार खड़ी है, ऐसे में जल्दी फसल काटने के लिए हार्वेस्टर मशीन वालों के यहां लंबी कतार किसानों की लगी हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिले में तकरीबन 3 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर रबी सीजन की फसल किसानों ने लगाई थी इसमें सर्वाधिक रकबा डेढ़ लाख हेक्टेयर के करीब गेहूं का रकबा रहा है अन्य फसलों में चना, आलू, मटर प्याज, लहसून आदि की फसल किसानों ने लगाई है। पिछले दिनों मौसम के परिवर्तन से किसानों को परेशानी में डाल दिया था। खेतों में गेहूं व अन्य फैसले तैयार खड़ी है। किसान जल्दी में फसल काटने की जुगत में लगे है और इसके लिए हाईवेस्टर मशीन वालों के पास बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं, मशीनों की संख्या कम है और गेहूं कटाई कराने वाले किसान हजारों में, सभी जल्दी कर रहे हैं कि हमारी फसल पहले कट जाए और मौसम की विपरीत परिस्थिति का असर ना गिरे। चिंतामण जवासिया के किसान अजय पटेल ने बताया कि गेहूं की फसल तैयार खड़ी है। फसल की क्वालिटी और उत्पादन क्षमता भी अच्छी नजर आ रही है। भैरवगढ़ क्षेत्र के किसानों ने बताया कि अभी 10 से 15 फ़ीसदी गेहूं की कटाई मुश्किल से हुई है इस बार अच्छी फसल की उम्मीद में दुगना खर्च किया है। ऐसे में समय रहते फसल कट जाए इस पर सभी का ध्यान है।

'सरस्वती अभियान' से शिक्षा की मुख्यधारा में पुनः आएगी शाला त्यागी बालिकाएँ

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग की नई पहल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने बेटी बचाओङ्कबेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत 'सरस्वती अभियान' की शुरुआत की है। इस नवाचार के माध्यम से वे बालिकाएं जो किसी सामाजिक, पारिवारिक या आर्थिक कारण से विद्यालय छोड़ चुकी हैं, उन्हें फिर से शिक्षा से जोड़कर आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा। राज्य स्तर पर इस अभियान को नई दिशा देने के लिए 10 मार्च को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। कार्यक्रम में शाला त्यागी बालिकाओं को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए विभाग की कार्य योजना और नवाचारों की जानकारी भी दी जाएगी।

अभियान में राज्य ओपन स्कूल प्रणाली के माध्यम से बालिकाओं को कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। उन्हें अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन, संपर्क कक्षाएं और मेंटोरिंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और आगे की शिक्षा या रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में बालिकाएं कक्षा 8वीं, 10वीं या 12वीं से पहले ही विद्यालय छोड़ देती हैं। शिक्षा छूटने के बाद उन्हें पढ़ाई जारी रखने का अवसर नहीं मिल पाता, जिससे उनकी शिक्षा अधूरी रह जाती है और उनके भविष्य के अवसर सीमित हो जाते हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह समस्या अधिक गंभीर रूप में सामने आती है।

चुनौती को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किए जा रहे सरस्वती अभियान के अंतर्गत शाला त्यागी बालिकाओं की पहचान के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा, उन्हें राज्य ओपन स्कूल में नामांकित किया जाएगा। परीक्षा की तैयारी के लिए अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही मेंटोरिंग और काउंसलिंग के माध्यम से बालिकाओं को परीक्षा में सफल होने के लिए निरंतर सहयोग दिया जाएगा। अभियान के तहत परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली बालिकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर आगे की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

दर्शनार्थी परिवार के साथ मारपीट करने वाले गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जयपुर से दर्शन करने आए परिवार के साथ पार्किंग शुल्क के नाम पर मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को शुक्रवार धोखा न्यायालय में पेश किया गया जहां से भेरूगढ़ जेल भेजा गया है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि 3 फरवरी को नितिन चतुर्वेदी निवासी प्रताप नगर थाना सांगानेर, जयपुर (राजस्थान) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने परिजनो के साथ उज्जैन दर्शन के लिए आया था। रात्रि लगभग 8 बजे उसने अपनी महिंद्रा थार क्रमांक आर जे 45 सी वी 8304 को नृसिंहघाट ब्रिज के पास सावंरिया भोजनालय के सामने खड़ी कर घाट पर चला गया। करीब रात 9-35 बजे वापस आने पर सावंरिया भोजनालय से दो युवक आए और पार्किंग के 50 रुपये मांगने लगे। पैसे देने से मना करने पर दोनों ने फरियादी को गाली-गलौज करते हुए थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पर पत्नी व पुत्र के साथ भी मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। दोनों युवकों के खिलाफ धाराओ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । दर्शनार्थी परिवार के साथ ही मारपीट को गंभीरता से लिया गया और सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखने के बाद दोनों की पहचान महेन्द्र पिता नन्दकिशोर माली 26 वर्ष और महेश पिता नन्दकिशोर माली 23 वर्ष निवासी भूखी माता मार्ग के रूप में करते हुए गुरुवार रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया जहां से जेल वारंट पर जारी होने पर भेरूगढ़ जेल भेजा गया है।

महाकाल मंदिर में कल मनेगी रंगपंचमी.. निकलेगा ध्वज चल समारोह

51 पताका और धार्मिक झांकियों के साथ शहर में निकाली जाऐगी परंपरागत गेर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में कल रविवार को रंगपंचमी मनेगी और इस दौरान भस्म आरती में भगवान को हर्बल गुलाल अर्पित किया जाएगा। वहीं शाम को महाकाल की परंपरागत गेर ध्वज चल समारोह जिसमें ध्वज की साथ झांकियां भी रहेगी।

वीरभद्र ध्वज चल समारोह समिति द्वारा कल रविवार को रंगपंचमी पर्व पर नगर में निकलने वाले ध्वज चल समारोह की तैयारी प्रारंभ हो गई है।

महाकालेश्वर मंदिर से रविवार शाम को ध्वज चल समारोह प्रारंभ होगा। इसके पहले दोपहर में सिंहपुरी से गेर प्रारंभ होकर महाकाल मंदिर पहुँचेगी। मंदिर समिति द्वारा ध्वज प्रदान किया जाएगा। इसी दिन शाम को शहर में सिंहपुरी, कार्तिक चौक, भागसीपुरा की गेर भी ध्वज निशान के साथ निकलेगी। परंपरानुसार रंगपंचमी पर्व 8 मार्च को संध्या के समय भगवान महाकाल और सभा मंडप में विराजित श्री वीरभद्र का पूजन करने के बाद ध्वज पूजन के साथ कोटितीर्थ कुंड की परिक्रमा कर ध्वज चल समारोह महाकालेश्वर मंदिर से प्रारंभ होगा। चल समारोह में 51 ध्वज पताका के साथ एक चाँदी का ध्वज, वीरभद्र जी का रथ और धार्मिक झांकियों के साथ ही भगवान महाकाल के सेहरा दर्शन की झाँकी भी शामिल रहेगी। वहीं ढोल, ताशे, अखाड़े के साथ ही उज्जैन व अन्य स्थानों से आए बैंड भी धार्मिक गीतों की स्वर लहरी बिखेरते हुए शामिल रहेंगे।

महाकाल मंदिर में सिंहपुरी की गेर को सौंपेंगे ध्वज- रंगपंचमी के अवसर पर सिंहपुरी से दोपहर में गेर निकलेगी। गेर विभिन्न मार्गों से होकर श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँचेगी। मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद महाकाल मंदिर समिति द्वारा सिंहपुरी की गेर को ध्वज भेंट किया जाएगा। रंगपंचमी पर शहर में महाकाल मंदिर से चल समारोह प्रारंभ होगा, वहीं सिंहपुरी, भागसीपुरा, कार्तिक चौक से भी ध्वज चल समारोह प्रमुख मार्गों से होकर निकलेंगे। चल समारोह में ध्वज निशान, बैंड-बाजे, ढोल, विभिन्न अखाड़े, झांकी, गुरु मंडली के सदस्य शामिल होंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आज उज्जैन में सजेगा अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रमोत्सव 2026 के भव्य आयोजनों की श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 7 मार्च (शनिवार), रात्रि 8 बजे से नारी शक्ति पर केंद्रित एक भव्य अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामय कार्यक्रम कालिदास संस्कृत अकादमी के बहिरंग में संपन्न होगा।

विक्रमोत्सव आयोजन समिति के सदस्य श्री राजेश सिंह कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में देश की ख्यातनाम कवयित्रीगण काव्य पाठ करेंगी। कार्यक्रम में हास्य-व्यंग्य, ओज, श्रृंगार, देशभक्ति और करुणा के विविध रंगों से सजी रचनाओं, गीतों और गजलों की प्रस्तुति होगी।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने शहर के समस्त रसिक श्रोताओं और साहित्य प्रेमियों से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नारी शक्ति को समर्पित इस साहित्यिक अनुष्ठान को सफल बनाएं।

जहरीला पदार्थ खाने से 16 वर्षीय किशोरी की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जहरीला पदार्थ खाने वाली 16 वर्षीय किशोरी की उपचार के दौरान रात में मौत हो गई। पुलिस निजी अस्पताल से किशोरी का शव पोस्टमार्टम के लिये शासकीय चरक अस्पताल लेकर आई। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया परिवारों ने बताया कि मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

चिंतामण गणेश थाना प्रभारी हेमराज यादव ने बताया कि ग्राम चंदूखेड़ी में रहने वाली रानू पिता अर्जुन आंजना 16 साल ने दिन में जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां उपचार के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस निजी अस्पताल पहुंची, जहां परिजनों ने बताया कि रानू का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसका उपचार भी चल रहा था। परिवार खेती किसानी का काम करता है। घर में रखा कीटनाशक जहर उसने संभवतः गलती से गटक लिया था। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में मर्ग कायम किया गया है। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद आगे की जांच शुरू की गई है।

युवक ने घर में लगाई फांसी

उज्जैन। चिमनगंज थाना क्षेत्र के तिरूपति सॉलिटर में रहने वाले राकेश पिता महेश प्रजापत ने गुरूवार रात घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे अस्तपाल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम कक्ष रख पुलिस को सूचना दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक परेशानी के चलते युवक ने आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की जांच में लिया है।

मौसम परिवर्तन के बाद सांस लेने में तकलीफ और बुखार, निमोनिया के मरीज बढ़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी शुरु हो गई है और शहर का तापमान 35 डिग्री के पार चला गया है। हालांकि न्यूनतम तापमान अभी भी 15 डिग्री के आसपास है। ऐसे में सुबह शाम सर्दी और दोपहर में तेज धूप से शरीर का तापमान अनियंत्रित होने लगा है। चिकित्सकों का कहना है कि ऐसे में चरक अस्पताल में सांस की तकलीफ, बुखार और निमोनिया के मरीज अधिक आने लगे हैं।

चरक अस्पताल के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण एक बार फिर लोग वायरल की चपेट में आ रहे है। एन्फ्लूएंजा-ए और एच-3, एन-2 से मिलते जुलते इस वायरल के लक्षण बुखार, सांसों में तकलीफ है। कई बार इससे निमोनिया भी मरीजों को हो रहा है और उन्हें अस्पताल में भर्ती तक होना पड़ रहा है। हर दिन अस्पतालों में 25-30 मरीज इस वायरल के इलाज के लिए आ रहे है। वहीं माधव नगर अस्पताल के सीनियर डॉ. एचपी सोनानिया ने बताया कि इस वायरल के खतरनाक होने की वजह मौसम का उतार-चढ़ाव बता रहे है। पहले गर्मी आई, फिर अचानक सर्दी बढ़ गई। इस तरह का मौसम वायरल के फैलाव के लिए अनुकूल होता है। इन दिनों लोग धार्मिक स्थलों पर भी काफी जाते है। कई मरीजों की ट्रेवल हिस्ट्री मिली है। पर्यटन के दौरान वे वायरल के चपेट में आ रहे है और फिर उनके संपर्क में आने के कारण दूसरे लोग व परिवारजन भी चपेट में आ रहे है। शहर में फैले वायरल की चपेट में आने वाले जिन मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है, उनके लिए यह बुखार जानलेवा साबित हो रहा है। सांसों में तकलीफ और निमोनिया के कारण कुछ मरीजों को आईसीयू में भी शिफ्ट करना पड़ रहा है। बच्चों और युवकों पर इस वायरल का ज्यादा असर नहीं दिखाई दे रहा है। चिकित्सकों के अनुसार इस मौसम में यह वायरल तेजी से फैलता है। रोगी के संपर्क में आने यह फैलता है। सामान्य तौर पर कुछ लोगों को सिर्फ बुखार आता है, लेकिन कुछ मरीजों में बुखार के साथ दस्त, कमजोरी, गले में खराश और कफ के लक्षण भी देखे जा रहे है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री सिंह ने 6 व्यक्तियों को छह-छह माह के लिए जिला बदर किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रौशन कुमार सिंह ने चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र के आफताब ऊर्फ मोहम्मद सलीम खान, माधवनगर थाना क्षेत्र के नवीन पाटीदार पिता गोपाल पाटीदार, नागदा थाना क्षेत्र के शाहरुख ऊर्फ कांचा पिता शाबिर मंसूरी, बिडलाग्राम नागदा थाना क्षेत्र के प्रशांत चित्रे पिता मनोज चित्रे, माकडौन थाना क्षेत्र के चैनसिंह पिता शंकरसिंह राजपूत, चिंतामण गणेश थाना क्षेत्र के निर्मल सेन पिता स्व. राधेश्याम सेन को छह-छह माह के लिए जिला बदर किया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए है। आदेश के तहत सभी 06 व्यक्तियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत उज्जैन जिला एवं उज्जैन जिले की सीमावर्ती जिले देवास,इंदौर,रतलाम,शाजापुर,मंदसौर,धार एवं आगर मालवा की राजस्व सीमाओं से छह-छह माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया है। यदि उक्त अनावेदकों के विरूद्ध कोई प्रकरण उज्जैन जिले में स्थित न्यायालय में चल रहा हो तो वे नियत पेशी पर उपस्थित हो सकेंगे, परन्तु इसके पूर्व अनावेदक को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी। न्यायालय में पेशी होने के तुरन्त पश्चात कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।